सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 169 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

किरण पिस्दा के एकमात्र गोल से छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का स्वर्ण जीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के पहले संस्करण में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में झारखंड को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टीम की कप्तान किरण पिस्दा की व्यक्तिगत प्रतिभा इस जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

दोनों टीमों के बीच दिखी कड़ी टक्कर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम कोटा में खेले गए महिला फटबॉल के फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच रोमांचक और कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने मजबूत खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफकी समाप्ति तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर रहीं। दोनों पक्षों के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षा और आक्रमण का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को बेहद रोमांचक बनाए रखा।

दूसरे हाफ में किरण ने दिखाया अक्रामक खेल

दूसरे हाफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए छत्तीसगढ़ की कप्तान किरण पिस्दा ने एक महत्वपूर्ण गोल किया और 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद टीम ने अपनी इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा। अंततः छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 1-0 से हराकर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार खेल कौशल और टीमवर्क का परिचय दिया। यह मुकाबला पूरे समय दर्शकों के लिए रोमांच से भरपूर रहा और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक खेल एवं युवा कल्याण तनुजा सलाम, खेल विभाग के अधिकारीबड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में रद्द 14 ट्रेनों को किया गया बहाल, 7 अप्रैल तक चलेंगी गाड़ियां

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पहले निरस्त किए गए 14 ट्रेनों को फिर से बहाल किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इनका परिचालन चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इससे रायपुर, गेवरारोड, बिलासपुर और रायगढ़, झारसुगुड़ा और गोंदिया के यात्रियों को राहत मिलेगी। इससे पहले नागपुर मंडल से होकर गुजरने वाली चार एक्सप्रेस ट्रेनों को भी दोबारा शुरू किया गया था। गोंदिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3, लाइन नंबर 5 पर वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसे बैलस्टेड ट्रैक में बदलने के कार्य के कारण इन गाड़ियों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया था। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की सही स्थिति की जानकारी अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीएस 139 से जरूर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

छत्तीसगढ़ में 5 दिन गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के आसार हैं। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिनों तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। बीते 24 घंटों में प्रदेश के कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश दर्ज की गई। पेंड्रारोड में 10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री दुर्ग में रहा।

कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को पीटा, कपड़े फाड़े

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में कांग्रेस नेता आपस में भिड़ गए। बात हाथापाई तक पहुंच गई। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस की सही जानकारी नहीं देने को लेकर पूरा विवाद हुआ। इस दौरान एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गई, कांच के गिलास तोड़ दिए गए। इसका वीडियो भी सामने आया है। हाथापाई के समय नेताओं के कपड़े भी फट गए। मामला इतना बढ़ गया कि जिलाध्यक्ष को पुलिस बुलानी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब नेताओं को समझाने की कोशिश की तब भी वे मानने को तैयार नहीं थे। सख्ती के बाद मामला शांत हुआ। इसमें 1 हफ्ते पहले कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बने विजय साव के खिलाफ स्न्नढ्ढक्र दर्ज हुई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

एलपीजी को लेकर अफवाह पर सख्ती, केन्द्र ने सभी राज्यों को दी रोजाना ब्रीफिंग की सलाह

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच केन्द्र का सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर दिए निर्देश

नईदिल्ली। एलपीजी की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों पर केंद्र सरकार ने चिंता जताई है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालयने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि सिर्फ 17 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश ही नियमित प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं, जो स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं है।

पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने अपने पत्र में कहा कि कुछ क्षेत्रों में अब भी अफवाहें और गलत जानकारी फैल रही है, जिससे लोगों में अनावश्यक डर पैदा हो रहा है और कई जगहों पर घबराहट में खरीदारी (पैनिक बायिंग) देखी जा रही है। मंत्रालय ने राज्यों से अपील की है कि वे संचार व्यवस्था को और मजबूत करें ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे।

वर्तमान में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे 17 राज्य/यूटी नियमित या अंतराल पर प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं। केंद्र ने बाकी राज्यों से भी तुरंत इसी तरह के कदम उठाने को कहा है।

मंत्रालय ने राज्यों को दी सलाह

मंत्रालय ने सलाह दिया है कि वरिष्ठ स्तर पर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग की जाए और सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए सही और समय पर जानकारी दी जाए, ताकि लोगों को एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण का भरोसा मिल सके और अफवाहों पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही केंद्र ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि इस तरह की गलत गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी कदम लगातार उठाए जाएं। यह निर्देश 27 मार्च को जारी उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन पर असर की बात कही थी। इन परिस्थितियों के चलते पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों व उपलब्धता को लेकर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें तेजी से फैल रही हैं, जिससे घरेलू वितरण प्रणाली पर दबाव बढ़ा है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का समापन आज

सीएम साय होंगे चीफगेस्ट, बॉक्सर मैरी कॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का समापन समारोह 3 अप्रैल यानी शुक्रवार को राजधानी रायपुर में आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मैरी कॉम और पूर्व भारतीय फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

तीन शहरों रायपुर अंबिकापुर और जगदलपुर में विगत 25 मार्च से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इसमें देश के 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 2000 जनजातीय खिलाड़ियों एवं अधिकारियों ने हिस्सेदारी की। समापन समारोह का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शाम 5 बजे किया जाएगा। समापन समारोह की अध्यक्षता डिप्टी सीएम और खेल-युवा कल्याण मंत्री अरुण साव करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित कई मंत्री, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक, महापौर आदि कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

शूटर आशु का एनकाउंटरः आठ माह पहले की थी शादी

मुरादाबाद। जिले के सिविल लाइंस इलाके में बुधवार की रात मुठभेड़ के दौरान उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर आशु उर्फ मोंटी को सीने में पुलिस की तीन गोलियां लगी थीं। तीनों गोलियां हार्ट और फेफड़ों को चीरते हुए बाहर निकल गई थीं। बृहस्पतिवार की दोपहर दो डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम से इसकी पुष्टि हुई है।

सिविल लाइंस के रामगंगा विहार स्थित शुभम ग्रीन विला निवासी अरशू ढल की कांठ रोड पर प्रेम नगर में वजीरचंद एक्सपोर्ट फर्म है। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में 15 मार्च को शातिर बदमाश आशु और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि 12 मार्च की रात करीब आठ बजे उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से मिस कॉल आई थी। इसके एक मिनट बाद व्हाट्सएप पर दोबारा कॉल आई। निर्यातक ने कॉल रिसीव की। फोन करने वाले ने अपना नाम आशु बताया और धमकी देते हुए पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

महिला ने नाबालिग लड़के को होटल बुलाकर किया अनाचार, पोक्सो में हुई गिरफ्तारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले से एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। एक महिला पर नाबालिग लड़के के साथ अनाचार करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, नाबालिग बालक की पहचान सोशल मीडिया के जरिए आरोपी महिला से हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गई और मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया। इसी दौरान 1 मार्च 2026 को महिला ने बालक को भोरमदेव रोड स्थित एक होटल में बुलाया। आरोप है कि वहां उसने भावनात्मक दबाव और मानसिक प्रलोभन देकर नाबालिग के साथ अनाचार किया।

घटना के बाद आरोपी महिला ने पीड़ित को डराया-धमकाया, जिसके कारण वह मानसिक दबाव में आ गया और तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करा सका। हालांकि, बाद में हिम्मत जुटाकर उसने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अपराध दर्ज किया। थाना कोतवाली में पोक्सो अधिनियम की धारा 04 के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने तेजी दिखाते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। कबीरधाम पुलिस ने आम नागरिकों से सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से संपर्क में सतर्कता बरतने की अपील की है और किसी भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा है।

छत्तीसगढ़ के चार आईपीएस ट्रेनिंग के लिए जाएंगे हैदराबाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चार आईपीएस हैदराबाद ट्रेनिंग के लिए जाएंगे। यह उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में आयोजित किया जाएगा। ट्रेनिंग का शेड्यूल 6 अप्रैल से शुरू होकर 15 मई तक चलेगा। इसे देखते हुए डीजीपी ने चार जिलों में प्रभारी एसपी को नियुक्त किया है।

प्रभारी एसपी की नियुक्ति का आदेश छत्तीसगढ़ के डीजीपी ने जारी किया है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ कैडर के चार आईपीएस श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, पंकज चंद्रा, वेदव्रत सिरमौर और विजय पांडेय को इंडक्शन ट्रेनिंग के लिए चुना गया है। आईपीएस श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा रायपुर ग्रामीण में, विजय पांडेय जांजगीर-चापा, पंकज चंद्रा कोंडागांव, वेदव्रत सिरमौर गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक है।

रायपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी एसपी मनीषा ठाकुर रावटे को, जांजगीर-चांपा की जिम्मेदारी एसपी विमल कुमार बैस को, कोंडागांव जिले का प्रभारी कप्तान त्रिलोक बंसल को गरियाबंद का प्रभारी एसपी नीरज चंद्राकर को बनाया गया है। इन एसपी रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में अब इन जिलों का लॉ एंड आर्डर चलेगा।

भारत की समुद्री ताकत बढ़ी, नौसेना से जुड़ा आईएनएस तारागिरी

विशाखापट्नम। भारत की समुद्री सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी और आईएनएस अरिदमन को नौसेना में शामिल कराया। इस समारोह में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा, ''आईएनएस तारागिरी के जलावतरण से भारत की नौसेना की ताकत और बढ़ी है। आईएनएस तारागिरी में ब्रह्मोस और सुपरसोनिक मिसाइल से लैस है। इतिहास हमें बताता है कि कोई भी देश बिना अपनी नौसैनिक ताकत को मजबूत किए शक्तिशाली नहीं माना जा सकता है। विशाखापट्टनम से आईएनएस तारागिरी कमीशनिंग अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल है।

अंबिकापुर में रेप के बाद महिला की हत्या, प्राइवेट पार्ट में मिली बोतल

रिंग रोड किनारे मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक अधेड़ महिला की सिर कुचलकर हत्या हुई है। मृतका के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिली, जिससे आशंका जताई जा रही है कि रेप के बाद किसी ने उसे मार डाला। शुक्रवार सुबह रिंग रोड किनारे मिले शव को पुलिस कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। शव में गले में धारदार हथियार के निशान और चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। हालांकि अब तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। जांच में ष्टष्टञ्जङ्क में महिला किसी अन्य के साथ आते दिखी है, जिसकी जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शहर के महामाया प्रवेश द्वार के पास रिंग रोड किनारे स्थित झोपड़ीनुमा मटन की दुकान है। जहां शुक्रवार (3 अप्रैल) सुबह एक अधेड़ उम्र की महिला का शव खून से लथपथ पड़ा था। स्थानीय लोगों ने देखा तो थाने में सूचना दी।

सूचना मिलते ही एसएसपी राजेश अग्रवाल, एएसपी अमोलक सिंह, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। जहां देखा गया कि महिला के गले में धारदार हथियार के निशान थे, वहीं उसका सिर भी कुचला हुआ था। घटनास्थल पर काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। जांच के दौरान महिला के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिली है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ दरिंदगी के बाद हत्या की गई। पहचान छिपाने के लिए उसके चेहरे को भी बुरी तरह कुचल दिया गया है।

पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा शव

पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 458, डीजल 500 के पार आवाम के छूटे पसीने, महंगाई तोड़ रही रिकॉर्ड

वर्ल्डडेस्क। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग के साथ वैश्विक तेल कीमतों में उछाल पाकिस्तान की जनता पर कहर बनकर टूट रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान की सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि की घोषणा की है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 43 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल में 55 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है, जो तुरंत लागू हो गई है।

नई दरों के तहत पेट्रोल की कीमत 137.23 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 458.41 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 184.49 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 520.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा केरोसिन की कीमत में भी 34.08 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सरकार ने डीजल की कीमतों के असर को सीमित करने के लिए पेट्रोलियम लेवी में बदलाव किया है। पेट्रोल पर लेवी बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा-जिम्मेदार फैसला

पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने एक न्यूज चैनल पर कहा कि ये कठिन लेकिन जिम्मेदार फैसले व्यापक स्तर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सैन्य नेतृत्व और प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद जरूरतमंद वर्गों तक ही सब्सिडी सीमित रखना और आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

संपादकीय

कमजोर होता रुपया

गिरावट रोकने को केंद्रीय बैंक बदले रणनीति

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपये के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सर्वकालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए।

> “ एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है।

आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रूपये के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपये की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपये के संरक्षण में हो सकता है। हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आर्थिकी और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रूपये को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपये का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। यही मांग बाजार में रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपये को ‘शॉक एब्जॉर्बर’ बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है। जानकार मानते हैं कि इस दिशा में केंद्रीय बैंक को आक्रमक रणनीति अपनानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये को संबल देने में करना चाहिए। इसके जरिये टाले जा सकने वाली गिरावट रोकी जा सकती है। इसके लिये अर्थव्यवस्था में नकदी संतुलन भी जरूरी है। बाजार की स्थिरता के लिये ब्याज दरों का संतुलन भी लाभप्रद हो सकता है। जिससे रुपये के कमजोर होने का दबाव अर्थव्यवस्था पर न पड़े।

अंतरिक्ष अनुसंधान में अमेरिका को चीन की चुनौती

प्रमोद जोशी

चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है। यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र कक्षा में ले जाएगा। संभव है कि चंद्रमा पर अमेरिकी यात्री पहले उतर जाए, पर इस बात के आसार बन रहे हैं कि स्पेस साइंस में अब अमेरिका के साथ चीन बराबरी के स्तर पर आने की होड़ में है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ‘नासा’ इन दिनों अपने समानव चंद्र मिशन, आर्टेमिस-2 की तैयारी कर रही है, और अगले कुछ दिनों में किसी भी दिन इसका प्रक्षेपण हो जाएगा। इसमें चार यात्री जाएंगे, जो चंद्रमा का चक्कर लगाएंगे। उधर चीनी अंतरिक्ष एजेंसी (सीएनएसए) को उम्मीद है कि वह 2030 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतार देगी। चीन पहले ही कई रोबोट चंद्रमा पर भेज चुका है और चंद्र नमूने वापस ला चुका है।

चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है। यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र कक्षा में ले जाएगा। संभव है कि चंद्रमा पर अमेरिकी यात्री पहले उतर जाए, पर इस बात के आसार बन रहे हैं कि स्पेस साइंस में अब अमेरिका के साथ चीन बराबरी के स्तर पर आने की होड़ में है।

अभी इसे बराबरी कहना आसान नहीं है, पर एक क्षेत्र ऐसा है, जिसमें वह अमेरिका के बराबर आ गया है या कुछ आगे निकल गया है। वह है स्पेस नेवीगेशन। चीन के ‘बेइदू’ ने अमेरिकी ‘जीपीएस’ को पीछे कर दिया है। इस बात को अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं। चीन को उम्मीद है कि वह 2035 तक चंद्रमा पर समानव वैज्ञानिक बेस का एक बुनियादी संस्करण तैयार कर लेगा, जिसे इंटरनेशनल ल्यूनर रिसर्च स्टेशन (आईएलआरएस) कहा जाएगा।

यह बेस चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास बनाया जाएगा, जहां बर्फ के रूप में पानी मौजूद होने की संभावना है। इस परियोजना में रूस भी चीन के साथ है। दूसरी तरफट्रंप प्रशासन ने लगभग 20 अरब डॉलर की लागत से चंद्रमा पर एक बेस बनाने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इसके विपरीत, नासा का आर्टेमिस चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम लगातार पिछड़ रहा है। आर्टेमिस-2 समानव फ्लाई-बाय यान है, लैंडिंग क्राफ्ट नहीं। कई बार स्थगित होने के बाद अप्रैल, 2026 में इसका प्रक्षेपण तय है। पहली अमेरिकी मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग को आर्टेमिस-4 तक टाल दिया गया है, जो 2028 से पहले संभव नहीं। चीन का कार्यक्रम, जो तीन दशकों से अधिक समय से एक एकीकृत योजना पर आधारित है, काफी हद तक उस राजनीतिक उथल-पुथल से अछूता रहा है, जो अमेरिका में चल रही है।

चीन का समानव प्रोजेक्ट 921, सितंबर, 1992 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करना है। इस कार्यक्रम के तहत 2003 में चीनी अंतरिक्ष यात्री यांग लीवेई की पहली उड़ान के बाद से लगभग 15 मानवयुक्त मिशन संचालित किए जा चुके हैं। वर्ष 2011 में अमेरिका ने अपने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में चीन को शामिल करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद चीन ने अपना स्टेशन बनाने का फैसला किया और वह बना लिया। तियांगोंग, 2021 से काम कर रहा है और इसमें इस समय तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री काम कर रहे हैं। चीन के किसी भी मानवयुक्त प्रक्षेपण में कोई मानवीय क्षति नहीं हुई है।

चीन ने अपनी पंचवर्षीय योजनाओं के दो सत्रों में विमानन और अंतरिक्ष उद्योग को ‘स्तंभ उद्योग’ का दर्जा दिया है। पहले यह विषय उभरते हुए क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत था। पहली बार, 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-30) में स्पष्ट रूप से 2030 तक चीन को एक अंतरिक्ष शक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पांच वर्षीय योजना में पुनरोपयोगी प्रक्षेपण यानों, बड़े पैमाने पर उपग्रह समूहों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के व्यावसायीकरण को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें लागत में कमी को दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए केंद्रीय माना गया है। एक नया ‘स्पेस+’ दृष्टिकोण बताता है कि उपग्रह अवसंरचना को व्यापक औद्योगिक प्रणाली के हिस्से के रूप में माना जा रहा है, जिसमें केवल संचार के बजाय पृथ्वी की कक्षा के कंप्यूटिंग उपयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है।इस लिहाज से यह साल अमेरिका और चीन दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। चीनी रॉकेट अमेरिकी स्पेसएक्स के फैल्कन 9 के प्रतिस्पर्धी हैं, लेकिन फैल्कन 9 का पहला चरण नियमित रूप से पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, और कुछ बूस्टर अब तक 30 बार तक उपयोग में लाए जा चुके हैं। इससे आंतरिक लागत डिस्पोज़ेबल रॉकेट की तुलना में कहीं कम हो जाती है।

नेविगेशन के क्षेत्र में, चीन ने एक ऐसी प्रणाली विकसित की है, जो अमेरिका के जीपीएस के बराबर या उससे भी बेहतर है। सैटेलाइट इंटरनेट के मामले में, यह स्टारलिंक से कई साल पीछे है, जबकि सबसे मुश्किल काम, हजारों सैटेलाइटों को किफायती लागत पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में, वह पीछे है। नेविगेशन सैटेलाइट इतनी ऊंचाई पर होती हैं कि कुछ दर्जन सैटेलाइट ही पूरी दुनिया को कवर कर सकती हैं, जबकि इंटरनेट नेटवर्क को उपयोगी कवरेज प्रदान करने के लिए हजारों निचली कक्षा के सैटेलाइटों की आवश्यकता होती है। चीन के पास अभी इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण की क्षमता नहीं है।

बेइदू, अमेरिकी जीपीएस से अधिक उपग्रहों का संचालन करता है। अमेरिकी सरकार के नेविगेशन सलाहकार बोर्ड ने 2023 में स्वीकार किया था कि जीपीएस पिछड़ गया है। आम उपयोगकर्ताओं के लिए, अंतर मामूली है, लेकिन बेइदू की बढ़त महत्वपूर्ण है। चीन के भीतर यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता तक पहुंचता है। चीन ग्लोबल साउथ के देशों में बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं में निवेश के साथ-साथ बेइदू प्रणाली को अपनाने पर जोर दे रहा है, ताकि इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से के लिए डिफॉल्ट नेविगेशन बुनियादी ढांचे के रूप में स्थापित किया जा सके।

सैटेलाइट इंटरनेट में चीन अभी पीछे है। स्टारलिंक के पास लगभग 8,000 उपग्रह हैं, जो स्पेसएक्स से लगभग 35 गुना अधिक हैं। ये पहले से ही 100 से अधिक देशों को सेवा प्रदान कर रहे हैं। चीन के पास कुछ सौ उपग्रहों का वैश्विक नेटवर्क है, जो मुकाबला नहीं कर सकता। स्टारलिंक को इस बाज़ार में बड़ी और लगातार बढ़ती बढ़त हासिल है, जो सबसे ज़्यादा मायने रखता है। ग्लोबल साउथ के उन क्षेत्रों में किफायती ब्रॉडबैंड सेवा जहां इसकी पहुंच कम है, चीनी नेटवर्क भविष्य में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें बराबरी की कवरेज प्रदान करने में कई साल लगेंगे।

बहरहाल, चीनी अंतरिक्ष कार्यक्रम की कुछ उपलब्धियों पर नज़र डालें, तो आप मानेंगे कि वह अमेरिका को देर-सवेर पकड़ लेगा। स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग, 2021-2022 में तीन मॉड्यूल लॉन्च करके पूरा किया गया। यह लगातार चालू है और इसमें ताइकोनॉट्स छह महीने या उससे ज्यादा समय तक रहते हैं। ताइकोनॉट्स चीन के अंतरिक्ष यात्रियों को दिया गया नाम है।

वर्ष 2025 में चीन ने 92-93 ऑर्बिटल लॉन्च किए, जो उसका राष्ट्रीय रेकॉर्ड है। इसमें लॉन्ग मार्च सीरीज के रॉकेट मुख्य हैं। लॉन्ग मार्च सीरीज 5, 7, 10 जैसे भारी रॉकेट विकसित कर रहा है, जो चंद्रमा मिशनों के लिए जरूरी हैं। चंद्रमा अन्वेषण (चैंग कार्यक्रम): चैंग-4 ने 2019 में चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर पहली सॉफ्ट लैंडिंग और रोवर भेजा।

चैंग-5 2020 में चंद्रमा से सैंपल लेकर पृथ्वी पर वापस आया (पहली बार 44 साल बाद कोई देश ऐसा कर सका)। चैंग-6 ने चंद्रमा के दूर वाले हिस्से से दुनिया का पहला सैंपल रिटर्न मिशन पूरा किया। इस साल चैंग-7 की उड़ान प्रस्तावित है, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पानी की बर्फ और संसाधनों की खोज करेगा। इसके बाद 2028 में चैंग-8 चंद्रमा पर बेस निर्माण की टेस्टिंग करेगा।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

ट्रंप की कही ट्रंप ने ही सुनी

मनीष कुमार चौधरी

दुनिया के सारे देश परेशान हैं कि मुआ ट्रंप जाने कब क्या बोल जाएगा, कब-क्या कर जाएगा, कौन दिशा पकड़ेगा। होर्मुज खुलवाने में ईरान के आगे अपनी एक न चलते देख साफ-साफ कह दिया कि भैये, तुम तुम्हारी देखो।

जनाब डोनाल्ड ट्रंप पर बात करने से पहले एक चुटकुला सुनिए। एक आदमी दूसरे आदमी के सामने अपना सयानापन बखान रहा था। वह बोला, ‘आज मैंने जंगल में एक बब्बर शेर को चकमा दिया और बच निकल आया।’ दूसरा आश्चर्य से बोला, ‘शेर को चकमा..?. कैसे!’ पहला मुस्कुराता हुआ कहने लगा, ‘मैं अपनी गाड़ी में था कि शेर मेरे पीछे लग गया। गाड़ी दौड़ाई, लेकिन शेर ने पीछा नहीं छोड़ा। वह गाड़ी के पीछे दौड़ता रहा। फिर

एकाएक ही शेर नजरों से ओझल हो गया...।’

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ठीक यही कर रहे हैं। वे दाएं जाने की बात कहकर यकायक बाएं मुड़ जाते हैं। कभी बाएं जाने की बात दाएं घूम जाते हैं। दोनों दिशाओं से बात नहीं बनती तो यू-टर्न ले लेते हैं। दुनिया के सारे देश परेशान हैं कि मुआ ट्रंप जाने कब क्या बोल जाएगा, कब-क्या कर जाएगा, कौन दिशा पकड़ेगा। होर्मुज खुलवाने में ईरान के आगे अपनी एक न चलते देख साफ-साफ कह दिया कि भैये, तुम तुम्हारी देखो। अपना तेल खुद बचाओ। मैंने तो वहां से तेल नहीं लेना है। यानी आग लगा के जमालो दूर खड़ी.?..।

फिल्म ‘वांटेड’ में सलमान खान का एक डायलॉग है, ‘मैं एक बार कमिटमेंट कर लेता हूं तो फिर अपने आप की भी नहीं सुनता।’ ट्रंप का मामला कुछ ऐसा है कि वे एक बार कमिटमेंट कर लेते हैं तो अपने आप की छोड़िए, किसी की भी नहीं सुनते।

इधर मोदी जी ‘मन की बात’ में कभी-कभी दूसरों की बात भी कर लिया करते हैं, पर ट्रंप महाशय अपने मन की बात करते हैं, मन की सुनते हैं और मन के मंगल गीत ही गाते हैं। दुनिया में तो उनकी कोई सुन नहीं रहा, इसलिए अपने राष्ट्र के नाम संबोधन देते हैं कि गॉड प्रॉमिस, ईरान को परमाणु बम बनाने नहीं दूंगा।

उसे मिट्टी में मिला दूंगा और पाषाण युग में पहुंचा दूंगा। पलटकर खामनेई द्वितीय कहते हैं कि खुदा कसम, आ जाओ... हम अपनी धरती पर आपकी सेना का ही इंतजार कर रहे हैं। लगता है ‘शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस’ का केस है। बुढ़ाते ट्रंप यह भूल गए कि नौ-ग्यारह करके तोरा-बोरा की पहाड़ियों में नौ-दो-ग्यारह हुए लादेन को मारने में अमेरिका को दस साल लग गए थे। अभी तो ईरान युद्ध को शुरू हुए एक माह हुआ है। उन्हें पता नहीं कि पहाड़ियों के मामले में ईरान अफ़ग़ानिस्तान से भी समृद्ध है।

संवेदनशीलता और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत

दीपिका अरोरा

ऑटिज्म की समस्या से पीड़ित के जीवन का हर पहलू प्रभावित होता है। दूसरों की बात समझना व खुद की कहना चुनौतीपूर्ण होता है। इनके लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग अहम है। वहीं संवेदनशील समावेशी-सुलभ हेल्थ केयर सेवाओं की जरूरत है।

ऑटिज़्म’ नामक डिसऑर्डर दुनियाभर में तेज़ी से फैल रहा है। ‘द लैंसेट’ पत्रिका में प्रकाशित ‘ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ 2021’ पर आधारित अध्ययन के अनुमानों के अनुसार, 61.8 मिलियन यानी 6 करोड़ 18 लाख लोग इस समस्या से पीड़ित पाए गए। इसमें महिलाएं, पुरुष तथा बच्चे सभी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, विश्व का हर 127वां व्यक्ति ऑटिस्टिक है। खासकर वर्ष 2000 के बाद से ऑटिज़्म के मामलों में 178 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में इसका प्रसार अधिक है। प्रति एक लाख पुरुषों पर ऑटिज़्म के 1,065 केस सामने आए, जबकि महिलाओं में यह संख्या 508 है।

‘ऑटिज़्म’ यानी ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) से अभिप्राय एक आजीवन न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जो सामाजिक व्यवहार तथा संचार के तरीकों को काफी हद तक प्रभावित करती है। इससे पीड़ित लोग न तो दूसरों की बात ठीक से समझ पाते हैं, न ही खुद को अभिव्यक्त कर पाते हैं।

अध्ययन के दौरान ऑटिज़्म के बारे में कई तथ्य उजागर हुए, जिसके नतीजे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल लैंसेट साइकियाट्री में प्रकाशित किए गए। शोधकर्ताओं के मुताबिक़, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़ी 10 सबसे ग़ैर-घातक में चुनौतियों में से एक है। इसके बावजूद यह समस्या जीवन के हर पहलू पर असर डालती है।

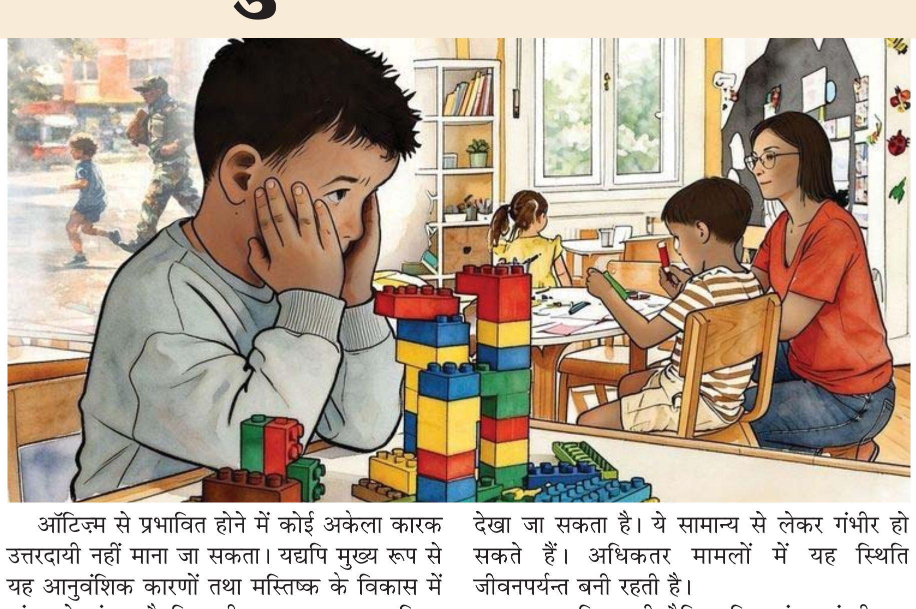

ऑटिज़्म से प्रभावित होने में कोई अकेला कारक उत्तरदायी नहीं माना जा सकता। यद्यपि मुख्य रूप से यह आनुवंशिक कारणों तथा मस्तिष्क के विकास में अंतर से संबद्ध है फिर भी आहार, व्यायाम, निद्रा, तनाव, अवसाद, प्राकृतिक वातावरण एवं जीवनशैली जैसे अनेक कारक इसमें प्रभावी भूमिका निभाते हैं। गर्भावस्था के दौरान संक्रमण या तनाव होना, माता द्वारा कुछ दवाओं का सेवन, समय-पूर्व अथवा सामान्य आकार से छोटे बच्चे का जन्म होना, पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आना आदि ऑटिज़्म के ज़ोखिमि कारक हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक आयु में गर्भाधारण करना भी बच्चे के ऑटिस्टिक होने का कारण बन सकता है। एएसडी ग्रस्त बच्चे के छोटे जैविक भाई-बहन में ऑटिज़्म का खतरा 3-10 प्रतिशत अधिक पाया गया। विशेषकर जुड़वां बच्चों में यह दर ज़्यादा रही। चिकित्सकों के अनुसार, गर्भस्थ शिशु के ऑटिज़्मग्रस्त होने का पता लगाना संभव नहीं, चूंकि इसके लक्षण जन्म उपरांत ही प्रकट होते हैं। आमतौर पर 12-18 माह की आयु में या इससे पूर्व ही इन्हें देखा जा सकता है। ये सामान्य से लेकर गंभीर हो सकते हैं। अधिकतर मामलों में यह स्थिति जीवनपर्यन्त बनी रहती है।

नवजात शिशु की दैनिक क्रियाएं स्वयं ही इस संदर्भ में विभिन्न तरह के संकेत देती नज़र आती हैं, जैसे- दूसरों की भावनाएं समझने में कठिनाई, अकेले रहना, देरी से बोलना-बिल्कुल न बोलना अथवा एक ही शब्द बारंबार दोहराना, परिवर्तन के प्रति असामान्य प्रतिक्रिया, हाथ फड़फड़ाना, तेज़ आवाज़, लाइट या विशिष्ट बनावट, गंध के प्रति बेहद संवेदनशील होना, वस्तु विशेष की ओर बार-बार इशारा करना, मां की आवाज़ अनसुनी करना, अधिकतर हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना, आई कॉन्टैक्ट न बनाना आदि। एक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने के चलते ऑटिज़्म के लक्षण भिन्न-भिन्न होते हैं, जिसके तहत प्रभावित लोगों को न्यूनतम से लेकर आंशिक या 24 घंटे तक की देखभाल की जरूरत हो सकती है।

ऑटिज़्म का निदान अमूमन 18-24 माह के व्यावहारिक अवलोकनों के जरिये ही किया जाता है। हालांकि, इसका समुचित इलाज उपलब्ध नहीं किंतु प्रारंभिक काल में ही स्पीच थेरैपी, व्यवहार थेरैपी (जैसे एबीए), ऑक्यूपेशनल थेरैपी आदि देने से जीवन में काफी हद तक सुधार आ सकता है।

हर ऑटिस्टिक व्यक्ति अपने आप में अलग होता है, अतः उनके सीखने, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, संवेदनशीलता तथा दोहरावदार व्यवहार जैसे लक्षणों में विरोधाभास होना भी स्वाभाविक है। कुछेक ऑटिस्टिक व्यक्तियों में विलक्षण प्रतिभाएं भी देखने को मिलेंगी, ऐसे लोग अपनी रचनात्मकता के बल पर समूचे जगत को अचंभित करने का सामर्थ्य रखते हैं। शोधकर्ताओं की मानें तो इतिहास की अनेक नामचीन हस्तियों (अनुमानित, विस्तारित स्पेक्ट्रम) में ऑटिज़्म के लक्षण पाए गए। इन प्रतिभाओं में भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन, गणितज्ञ तथा भौतिक विज्ञानी आइजैक न्यूटन, प्रसिद्ध आविष्कारक निकोला टेस्ला, संगीतकार वोल्फगैंग एमाडेउस मोज़ार्ट आदि का नाम प्रमुख तौर पर लिया जा सकता है। भारत के पहले विख्यात ऑटिस्टिक फ़ैशन मॉडल, जिन्होंने स्टीरियोटाइप को तोड़कर मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय पहचान बनाई, का नाम भी इसी सूची में शामिल है। इनकी सफलता दर्शाती है कि ऑटिज़्मग्रस्त लोग किसी से कम नहीं, अपनी विशिष्ट रुचियों व क्षमताओं का सही उपयोग करके वे समाज में अहम योगदान दे सकते हैं।

ऑटिज़्म पीड़ितों के लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। वहीं स्वास्थ्य प्रणालियों को ऑटिज़्म के प्रति प्रतिक्रियात्मक बनाने के लिए समावेशी-सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की जरूरत है। ऑटिज़्म वास्तव में, कोई बीमारी न होकर मस्तिष्क के अलग तरह से कार्य करने की स्थिति है। तो क्यों न समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समभाव से ससम्मान अपनाया जाए? ‘ऑटिज़्म और मानवता-हर जीवन का मूल्य है’, साल 2026 का थीम भी यही कहता है।

डेमोग्रैफिक डिविडेंड गंवा देने का खतरा

जो देश अपनी युवा श्रमशक्ति का पूरा उपयोग नहीं कर पाते, उनके संबंध में आम समझ है कि वे धनी होने से पहले बूढ़ा हो जाते हैं। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर डेमोग्रैफिक डिविडेंड गंवा देने का खतरा मंडरा रहा है।

युवा आबादी के संभावित लाभ को भारत गंवाने जा रहा है- यह निष्कर्ष है अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के ‘भारत में कामकाज की स्थिति-2026’ रिपोर्ट का। इसके मुताबिक 2030 में युवा आबादी (15- 29 वर्ष) अपनी चरम संख्या पर पहुंच जाएगी।

उसके बाद इसमें गिरावट आने लगेगी। फिलहाल 36.7 करोड़ युवा इस उम्र वर्ग में हैं, जो कुल कामकाजी उम्र की आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। मगर उनमें से 26.3 करोड़ ना शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, ना रोजगार में हैं। अतः उनके श्रमशक्ति का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, ‘आने वाले दशक में युवा पीढ़ी के लिए रोजगार सृजन की गति यह तय करेगी कि डेमोग्रैफिक डिविडेंड आर्थिक लाभ में तब्दील होता है या नहीं।’

मगर रोजगार की सूरत यह है कि सिर्फ सात प्रतिशत पुरुष स्नातकों को डिग्री लेने के बाद पहले साल में नियमित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। ह्वाइट कॉलर जॉब्स की बात करें, तो यह संख्या महज 3.7 फीसदी है। तो रिपोर्ट में कहा गया है- ‘ये संख्याएं चिंताजनक सूरत की झलक हैं। सुरक्षित ह्वाइट कॉलर जॉब ढूंढना अत्यधिक दुर्लभ घटना बनी हुई है।’ वैसे चिंताजनक अनेक अन्य आंकड़े भी रिपोर्ट में हैं। उनमें एक बेरोजगार स्नातकों की विस्फोटक ढंग से बढ़ती गई संख्या है। 2004 में 30 लाख स्नातक बेरोजगार थे। यह संख्या 2011 में 40 लाख पहुंच गई।

2011-17 में इसमें बेहद तेज रफ्तार से बढ़ोतरी हुई। 2023 तक ये तदाद एक करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी थी। इन स्थितियों के साथ कोई देश आर्थिक महाशक्ति बनने की कैसी उम्मीद जोड़ सकता है? जो देश अपनी युवा श्रमशक्ति का पूरा उपयोग नहीं कर पाते, उनके संबंध में आम आर्थिक समझ है कि वे धनी होने से पहले बूढ़ा हो जाते हैं।

विश्व बैंक की श्रेणी के मुताबिक भारत लगभग तीन हजार डॉलर सालाना प्रति व्यक्ति आय के साथ अभी भी निम्न- मध्यम आय वर्ग वाला देश है। यानी धनी होने के पहले उसे उच्च मध्य वर्ग की श्रेणी (4,500 से 14000 डॉलर) पार करनी है। जबकि युवा आबादी की संख्या में वृद्धि के अब सिर्फ चार साल बाकी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

केके सिंह ने संभाला सेल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

भिलाई। सेल के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार सिंह ने 02 अप्रैल को

स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है। सिंह प्रचालन, मानव संसाधन विकास, सतर्कता और कार्मिक एवं प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों में लगभग चार दशकों के गहन अनुभव के साथ सेल की विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में भिलाई इस्पात संयंत्र में एक प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में की थी, जहाँ उन्होंने मानव संसाधन विकास विभाग में जाने से पहले 'ब्लूमिंग एंड बिलेट मिल' में एक दशक से अधिक समय तक अपना योगदान दिया। उन्होंने कार्मिक और प्रशासन विभाग के कार्यकारी निदेशक (प्रभारी) सहित कई लीडरशिप पदों पर कार्य किया है। उन्हें 2022 में निदेशक (कार्मिक) नियुक्त किया गया, जो उनके गहरे डोमेन ज्ञान और मजबूत नेतृत्व कौशल को दर्शाता है। निदेशक (कार्मिक) के रूप में अपने वर्तमान रोल में, श्री सिंह ने सेल के मानव संसाधन के कायाकल्प का नेतृत्व किया है। उन्होंने कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु प्रोग्रेसिव कार्मिक कल्याण और विकास योजनाओं की शुरुआत की है। उनका नेतृत्व सेल की 'जन-केंद्रित' प्रगति को मजबूत कर रहा है और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में वे संगठन को निरंतर उत्कृष्टता और नवाचार की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

आईआईटी भिलाई में हुआ पांच दिवसीय पीएम श्री शिक्षक प्रशिक्षण

भिलाई। जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। पांच दिन का यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है। यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है, जैसे विज़ुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी भिलाई में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग। टीचर्स को आईआईटी भिलाई की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है, और उन्हें 21वीं सदी में पढ़ाने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है। हम कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस जैसी ज़रूरी स्किल्स पर फोकस कर रहे हैं। रीइन्फॉर्समेंट लर्निंग और टीचर्स द्वारा पढ़ाने के तरीकों को शेयर करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

लू से बचाने प्रशासन की एडवायजरी : जागरुकता कार्यक्रम के जरिए बताएंगे लक्षण व बचाव के उपाय

'लू कार्य योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न विभागों को मिली जिम्मेदारियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्रीष्म ऋतु वर्ष 2026 को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये गये हैं। जिसमें लू के लक्षण, लू से बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार और आवश्यक सांवधानियां संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को लू के लक्षण, लू से बचाव, लू लगने पर प्रारंभिक उपचार हेतु जनसमुदाय में जागरूकता लाने व प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों का प्राथमिकता से परीक्षण करने के निर्देश भी दिये गये हैं। साथ ही जिले के संबंधित सभी विभागों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लू बचाव/उपाय के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

लू के प्रमुख लक्षणों में सिर से भारीपान और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा बेहोश होना। इससे बचाव के लिए सबसे पहली बात अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाए। धूप से निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। गर्मी के दौरान नरम मुलायम सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे।

लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार

बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाए तथा मितानिन एएनएम से ओआरएस के पैकेट हेतु संपर्क करें।

इसी प्रकार अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से नि:शुल्क परामर्श लिया जाए और उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाए।

लू से बचाव के लिए बरती जाने वाली अन्य सावधानिया

जितना हो सके घर के अंदर रहें। अपने घर को ठंडा रखें-धूप से बचाव के लिए दिन में पर्दे, शटर का उपयोग करें और खिड़कियां खोलें। निचली मंजिलों पर बने रहने का प्रयास करे। पंखों का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और अधिक गर्मी में ठंडे पानी में ही स्नान करें। यदि आप बीमार महसूस करते हैं- उच्च बुखार/लगातार सिरदर्द/चक्कर आना/मतली या भटकाव/लगातार खांसी/सांस की तकलीफ है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाये। जानवरों को छाया में रखे और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें। इन उपायों का उपयोग कर लू एवं हीटवेव के प्रभाव से बचा जा सकता

क्या करें

जितना हो सके पर्याप्त पानी पीये, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संबंधित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहने। ओ.आर.एस. (ओरल रिहाइड्रेशन) घोल, घर का बना पेय लस्सी, (तोरानी चावल) का पानी, नींबू का पानी, छांछ आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे, यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपड़े/टोपी या छाता) और चेहरे को कवर करें। जहां तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचें।

क्या न करें

गर्मी के दौरान बाहर न जाए, यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है तो दिन के शीतलन घंटो के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें। अत्यधिक गर्मी के घंटो के दौरान बाहर जाने से बचे (विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच), नंगे पैर या बिना चेहरे को ढ़के और बिना सिर ढककर बाहर न जाए। व्यस्थतम समय (दोपहर) के दौरान खाना पकाने से बचे, खाना पकाने वाले क्षेत्रों (रसोई घरों) में दरवाजे और खिड़कियां खोल कर रखें, जिससे पर्याप्त रूप से हवा आ सके। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय, पीने से बचे जो शरीर को निर्जलित करते हैं। उच्च प्रोटीन, मसालेदार और तेलीय भोजन खाने से बचे, बासी खाना न खाए। बीमार होने पर बाहर धूप में न जाए, घर पर रहे।

वरिष्ठ नागरिकों और फील्ड स्टाफके लिए निर्देश

वृद्धजनों और धूप में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष रूप से गाइडलाइन जारी की गई है, ऐडवायजरी अनुसार जो बुजुर्ग अकेले रहते हैं, उनकी नियमित जांच और देखभाल सुनिश्चित करने को कहा गया है। यदि किसी वृद्ध को असामान्य रूप से भूख कम लगना, चक्कर आना या सांस लेने में तकलीफ हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है। समाज के हर वर्ग और व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए विस्तृत कार्ययोजना सौंपी गई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड विक्रय और उत्पादन के साथ सेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विक्रय और उत्पादन दोनों में नए मानक स्थापित करते हुए, अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अपनी ब्रांड उपस्थिति और ग्राहकों तक पहुंच को मजबूत करते हुए, कंपनी ने 20.14 मिलियन टन की अब तब की सर्वाधिक विक्रय दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष के 18.07 मिलियन टन की तुलना में 11.5त्न की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि व्यापक रही और सभी उत्पाद श्रेणियों में बिक्री में उछाल देखा गया।

उत्पादन के मोर्चे पर, सेल ने 19.43 मिलियन टन का अपना सर्वश्रेष्ठ कच्चा इस्पात उत्पादन और 19.176 मिलियन टन का विक्रेय इस्पात उत्पादन दर्ज किया, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। परिचालन उत्कृष्टता को बेहतर दक्षता मापदंडों के माध्यम से और प्रदर्शित किया गया, जो टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी इस्पात उत्पादन की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

भारतीय रेलवे को 1.25 मिलियन टन की रिकॉर्ड सप्लाई देना और अपनी यूनिवर्सल रेल मिल से अब तक का सबसे ज्यादा उत्पादन करना, सेल की कार्यकुशलता और भारत के रेल नेटवर्क को बढ़ाने में उसके रणनीतिक योगदान को दिखाता है। यही नहीं, कंपनी के निर्यात (एक्सपोर्ट) में भी 162त्न की भारी बढ़त देखी गई है, जो 2.9 लाख टन तक पहुँच गया है। सेल ने अब भूटान समेत नए विदेशी बाजारों में भी अपना विस्तार किया है। ये उपलब्धियां सेल की लगातार वैल्यू बढ़ाने की क्षमता को सुदृढ़ करने, सेल की ब्रांड पोजीशनिंग को मजबूत करने और विविध बाजारों में ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने की क्षमता को साबित करती हैं।

अग्निवीर भर्ती के लिए पंजीयन की तिथि बदली, 10 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

दुर्ग। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय थल सेना में अग्निवीर की भर्ती 2027 के लिये अधिसूचना जारी कर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 01 अप्रैल 2026 निर्धारित थी जिसे संशोधित कर 10 अप्रैल 2026 किया गया है। जिले के योग्य एवं इच्छुक आवेदक अग्निवीर भर्ती 2026-27 हेतु शीघ्र ऑनलाईन आवेदन जमा करें। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जा कर अग्निवीर की भर्ती हेतु जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमैन (8वीं - 10 वीं पास) महिला सैन्य पुलिस नर्सिंग सहयोगी और सिपाही फार्मा के पदो के लिए अपनी योग्यतानुसार 10 अप्रैल 2026 रात्रि 11.59 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। इस बार के अभ्यर्थी अग्निवीर के दो पदों के लिए अपनी योग्यतानुसार आवेदन कर सकतें है। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा के समय टाइपिंग टेस्ट देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा जून 2026 में निर्धारित है। जानकारी के लिये 0771-2965212 / 0771-2965214 पर संपर्क करें।

तारामण्डल उद्यान में अवैध कब्जे का मामला निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर स्थित योगा उद्यान में असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति स्थापना कर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। नगर पालिक निगम भिलाई को सूचना मिलते ही जोन-1 आयुक्त, राजस्व विभाग एवं बेदखली की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि हनुमान जयंती पर्व के एक दिन पूर्व रात के समय असामाजिक तत्वों ने रेलिंग को तोड़कर पूर्व निर्मित शेड पर एक चबूतरा निर्माण कर मूर्ति स्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा उद्यान परिसर में स्थित जिम, तारामण्डल एवं योगा

स्थल की रेलिंग को भी क्षतिग्रस्त कर काट दिया गया है। निगम अधिकारियों द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार किया गया है तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन द्वारा सुपेला थाना में असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्राथमिक सूचना दर्ज कराते हुए आगे की कार्यवाही करने पत्र भी दिया गया है। निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर किसीद भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

मंचीय पुराधाओं ने छत्तीसगढ़ी लोकमंच को दिया विस्तृत आसमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अगासदिया संस्था की ओर से प्रसिद्ध कलाकार कोदूराम वर्मा की स्मृति में समारोह आमदीनगर में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा थे। शुरूआत में प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले ने मंगल गान प्रस्तुत किया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रभात मिश्राने कहा कि हमारे पुरखों ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में भाषा, संस्कृति लोकमंच के क्षेत्र से बड़ा योगदान दिया है। अगासदिया द्वारा ऐसे पुरोधा सदैव याद किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा आठवीं अनुसूची में सम्मिलित हो यह हमारा सपना और संकल्प है। छत्तीसगढ़ी भाषा को सम्मान मिलना ही छत्तीसगढ़ का सम्मान है।

उन्होने कहा कि हमारे रचनाकार प्रतिभा सम्पन्न और यशस्वी हैं। हर विधा में विशेष लेखन हो रहा है। मंचीय पुराधाओं ने छत्तीसगढ़ी लोकमंच के विस्तृत आसमान को चमकदार बनाकर दुनियाँ भर का ध्यान आकृष्ट किया। हमें स्वाभिमान और सम्मान से जीना सिखाया। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार व भाषाविद् डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि ऐसे बहुआयामी आयोजन से जुड़कर हम सब समृद्ध होते हैं। कलाकारों और साहित्यकारों के बीच डॉ. परदेशीराम वर्मा समान रूप से लोकप्रिय हैं।

देश की आज़ादी में पुष्प की अभिलाषा जैसी कविताओं की भी थी अहम भूमिका : डॉ महेश चंद्र शर्मा

■ राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की जन्मस्थली को प्रणाम कर लौटे डॉ. शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के साहित्य - संस्कृति के आचार्य डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने विगत दिनों प्रवास के दौरान भारतीय आत्मा के नाम से प्रसिद्ध राष्ट्रवादी कवि पं.माखन लाल चतुर्वेदी की जन्मस्थली में उनकी प्रतिमा के दर्शन किए। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम् के पास बाबई नाम का क़स्बा है जो माखन नगर कहलाता है। डॉ.शर्मा ने बताया कि यहाँ पहुँचने पर विशेष प्रसन्नता और सन्तोष का अनुभव हुवा।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रभक्त कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार पं.माखन लाल चतुर्वेदी की प्रसिद्ध देशभक्ति पूर्ण और कालजयी कविता पुष्प की अभिलाषा - चाह नहीं मैं सुर बाला के गहनों में गूँथा जाऊँ की रचना का अभी शताब्दी वर्ष हुआ है। पं.चतुर्वेदी ने पांच जुलाई 1921 को बिलासपुर जेल में इसकी रचना की थी। वे असहयोग आन्दोलन के कारण बिलासपुर जेल में थे। गणेश शंकर विद्यार्थी ने इसे प्रताप में प्रकाशित किया। आचार्य डॉ.शर्मा ने माखन नगर से लौटने पर बताया कि उक्त कविता का जन्म बिलासपुर में हुआ अत: छत्तीसगढ़ को गौरव और गर्व का अनुभव होना स्वाभाविक है। वैसे तो कविता पूरे राष्ट्र की है परन्तु छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को विशेष रूप से जोड़ती है।

एक भारतीय आत्मा पं.माखन लाल चतुर्वेदी कर्मवीर और प्रताप जैसे समाचार पत्रों के प्रसिद्ध सम्पादक भी थे। ऐसे ही मनीषी देशभक्त साहित्यकारों और पत्रकारों ने देश की बड़ी सेवा की। लोकमान्य पं.बालगंगाधर तिलक और राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी आदि को भी इस सन्दर्भ में आदर्श और प्रेरक माना गया। पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने जवानी और जलियाँवाला की बन्दी आदि अन्य देशभक्ति पूर्ण कविताओं की रचना की थी। निश्चित रूप से साहित्यिक पत्रकारिता लोगों को राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण से जोड़ती है।

।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।
श्री गुजराती ब्रह्म समाज महिला मंडल
द्वारा
भव्य सामूहिक रांदल पूजा आयोजन

गुजराती ब्रह्म समाज महिला मंडल रायपुर द्वारा आगामी 5 अप्रैल को सूर्य देव की पत्नी रवि रांदल माताजी का भव्य पूजन का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष प्रेरणा भट्ट उपाध्यक्ष अलका व्यास, ज्योति दवे सचिव दीपा पंड्या जयश्री जोशी कोषाध्यक्ष हेतल व्यास ने बताया कि 201 माताजी की स्थापना होगी और 1400 सुहागिनों के पैर धो कर पूजन होगा। इला भट्ट, सुधा जोशी, सुशीला जोशी कार्यकारिणी सदस्य संगीता मेहता, श्वेता व्यास, दर्शना पंड्या, डॉ अंकिता, डॉ योगिनी, मैत्री, अवनी, देविका, योगेश्वरी नम्रता, तृप्ति, गुंजन अंजू, फाल्गुनी, सभी सदस्य बहुत लगन से इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यरत है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के न्यूनतम वेतन और महंगाई भत्ते में वृद्धि नई दरें लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रमायुक्त हिम शिखर गुप्ता द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए नई परिवर्तनशील महंगाई भत्ता और न्यूनतम वेतन की दरें निर्धारित कर दी गई हैं । लेबर ब्यूरो शिमला से प्राप्त जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 के मध्य औद्योगिक सूचकांक में हुई 11.28 अंकों की औसत वृद्धि के आधार पर 45 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के महंगाई भत्ते में 226 रुपये प्रतिमाह की वृद्धि की गई है । कृषि नियोजन के श्रमिकों हेतु सूचकांक में 34 अंकों की वृद्धि होने से उनके भत्ते में 170 रुपये प्रतिमाह तथा अगरबत्ती उद्योग के श्रमिकों हेतु 8.53 रुपये प्रति हजार अगरबत्ती निर्माण के मान से वृद्धि की गई है। यह संशोधित दरें 01 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक की अवधि के लिए प्रभावी होंगी। नया वेतनमान निर्धारित होने के बाद, 45 अनुसूचित सामान्य नियोजन के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों का मासिक वेतन जोन श्अश् के लिए 11,402.00 रुपये, जोन श्बश् के लिए 11,142.00 रुपये और जोन श्सश् के लिए 10,882.00 रुपये तय किया गया है। इसी क्रम में अर्द्धकुशल श्रमिकों हेतु वेतन क्रमशः 12,052.00 रुपये (जोन अ), 11,792.00 रुपये (जोन ब) और 11,532.00 रुपये (जोन स) निर्धारित है। कुशल श्रमिकों को जोन 'अ' में 12,832.00 रुपये, श्बश् में 12,572.00 रुपये और श्सश् में 12,312.00 रुपये प्राप्त होंगे, जबकि उच्च कुशल श्रमिकों के लिए यह दरें क्रमशः 13,612.00 रुपये, 13,352.00 रुपये और 13,092.00 रुपये प्रतिमाह होंगी।

सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति के ऐतिहासिक संकल्प की पूर्ति पर भव्य हनुमंत भंडारा का हुआ आयोजन

रायपुर। सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति के ऐतिहासिक संकल्प की पूर्ति के उपलक्ष्य में कबीरधाम जिले के सिद्ध श्री खेड़ापति हनुमान महाराज मंदिर प्रांगण में श्रद्धा, आस्था एवं उल्लास के साथ हनुमंत भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित होकर भगवान श्री खेड़ापति हनुमान जी महाराज के दर्शन-पूजन कर प्रदेश में शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा आयोजन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी रश्मि शर्मा एवं उनके पुत्र अभिनव शर्मा द्वारा स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 2026 की निर्धारित समय-सीमा तक बस्तर सहित छत्तीसगढ़ से सशस्त्र नक्सलवाद के पूर्णतः समाप्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्थापित शांति, सुरक्षा एवं विकास के नए युग का अभिनंदन करते हुए ईश्वर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। विदित हो कि विगत चार दशकों से अधिक समय तक छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल, नक्सलवाद की गंभीर चुनौती से जूझता रहा। इस दौरान अनेक निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के जवानों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया तथा क्षेत्रीय विकास प्रभावित रहा। कबीरधाम जिला भी इस समस्या से अछूता नहीं रहा। किंतु केंद्र एवं राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प, प्रभावी रणनीति तथा सुरक्षा बलों के साहस, पराक्रम एवं समर्पण के फलस्वरूप आज यह ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हो सकी है। साथ ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री था कवर्धा के स्थानीय विधायक विजय शर्मा की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सुरक्षा बलों के वीर जवानों के अदम्य साहस एवं बलिदान को नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर, अब गूंजती है बस की हॉर्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था।

लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है। इससे उन लोगों का सफर अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था।

वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच श्री तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस ईलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस ईलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच श्री बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब सड़क के बन जाने से बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से तेलंगाना एवं अन्य प्रांतो में प्रवासित परिवारों के लिए पुर्नवास के लिए बनेगी कार्ययोजना

अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग के ऐसे विस्थापित परिवार जो किन्हीं कारणों बस्तर संभाग के सीमावर्ती तेलंगाना एवं आन्ध्रप्रदेश में प्रवासित है, ऐसे परिवारों के पुनर्वास की कार्ययोजना बनायी जा रही है। मंत्रालय महानदी भवन में अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में पुनर्वास हेतु गठित राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ से विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के संबंध में कार्ययोजना तैयार करने विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में बताया गया कि जिला दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के लोग तेलंगाना एवं आन्ध्रप्रदेश राज्य में प्रवासित हो गए है। इसके लिए प्रवासित परिवारों की ओर से राष्ट्रीय जनजातीय आयोग में याचिका दायर किया गया है। इसके तहत माननीय आयोग द्वारा एक माह के भीतर सर्वे कर प्रवासित परिवारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके परिपालन में बस्तर संभाग के संभागायुक्त द्वारा एक समयबद्ध कार्यक्रम के तहत कलेक्टर दंतेवाड़ा, सुकमा एवं जिला बीजापुर को प्रवासित परिवारों के सर्वे किया जाकर 15 दिन के भीतर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सर्वे अनुसार जिला दंतेवाड़ा से तेलंगाना प्रदेश के 60 ग्राम में 618 परिवार के 2654 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से तेलंगाना प्रदेश के 293 ग्राम में 2733 परिवार के 12026 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से तेलंगाना प्रदेश के 114 ग्राम में 994 परिवार के 5029 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से तेलंगाना राज्य के 467 ग्राम में 4345 परिवार के 19709 व्यक्ति प्रवासित है।

इसी तरह जिला दंतेवाड़ा से आंध्रप्रदेश के 25 ग्राम में 125 परिवार के 568 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से आंध्रप्रदेश के 155 ग्राम में 2462 परिवार के 10787 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से आंध्रप्रदेश के 04 ग्राम में 07 परिवार के 34 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह से छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से आंध्रप्रदेश राज्य के 184 ग्राम में 2594 परिवार के 11389 व्यक्ति प्रवासित है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य के जिला दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के 667 ग्राम से तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश राज्य के 651 ग्राम में 6939 परिवार के 31098 व्यक्ति प्रवासित है। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज श्री सुन्दरराज से चर्चा कर अन्य प्रांतों में प्रवासित परिवारों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एक बार और सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर लें। इसी तरह से पिंगुआ ने कलेक्टर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा से कहा है कि वे अपने-अपने जिलों से अन्य प्रांतों में प्रवासित लोगों के बारे में उनके मूल ग्राम एवं निवास स्थान से आवश्यक जानकारी तैयार कर लें। जिससे पुनर्वास योजना बनाने आसानी होगी। इसी तरह से पुनर्वास योजना बनाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित दिए गए है कि वे शीघ्र ही अपने-अपने विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त कर दें, जिससे शीघ्र पुनर्वास योजना बनाने में आसानी होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, गृह विभाग की सचिव नेहा चम्पावत, आईजी बस्तर सुन्दरराज, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह सहित कलेक्टर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा शामिल हुए। इसी तरह से बैठक में सामान्य प्रशासन, वित्त विभाग, राजस्व, स्कूल शिक्षा, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, वाणिज्य एवं उद्योग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

वन विभाग की बड़ी उपलब्धि : बारनवापारा का रामपुर ग्रासलैंड फिर हुआ काले हिरणों से आबाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य के रामपुर ग्रासलैंड में काले हिरण (ब्लैकबक) की संख्या बढ़ाने के लिए शुरू किया गया प्रयास सफल रहा है। अब यह क्षेत्र फिर से इन सुंदर और दुर्लभ वन्यजीवों की चहल-पहल से जीवंत हो गया है।

वन मंत्री केदार कश्यप की मंशा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में काले हिरणों के पुनर्स्थापन का लक्ष्य तय किया गया था। इसी के तहत फरवरी माह के पहले सप्ताह में 30 काले हिरणों को रामपुर ग्रासलैंड में छोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसे स्वीकृति मिलते ही योजना पर तेजी से काम शुरू किया गया।

वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत वैज्ञानिक प्रबंधन के उद्देश्य से अनुमति प्राप्त होने के बाद, वन विभाग की टीम ने विशेषज्ञों की निगरानी में हिरणों को सुरक्षित रूप से उनके नए आवास में छोड़ा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि हिरणों को किसी भी प्रकार का तनाव न हो। मुक्त किए गए काले हिरण अब वहां पहले से मौजूद हिरणों के समूह के साथ सहज रूप से घुल-मिल गए हैं। एक समय प्रदेश से लगभग विलुप्त हो चुके ये हिरण अब फिर से अपने प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं, जो राज्य के लिए गर्व और खुशी की बात है।

इस अभियान को मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर श्रीमती सतोविशा समाजदार और वनमंडलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसमें बारनवापारा अभयारण्य के अधिकारियों, फील्ड स्टाफ, जीव वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्तमान में वन विभाग की टीम इन हिरणों की नियमित निगरानी कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक सुधार होगा और जैव विविधता को और मजबूती मिलेगी।

जंगल के मैदानों से राष्ट्रीय मंच तक : भारत की हॉकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं जनजातीय समुदाय

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मिजोरम के कई खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर ओलंपियनों और टैलेंट स्काउट्स का ध्यान खींचा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया।

रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई।

ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था—जो अब बदल रहा है।

केंद्रीय खेल मंत्रालय और राज्यों द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेहतर बुनियादी ढांचे और संगठित जमीनी कार्यक्रमों के चलते अब एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन अजीत लकड़ा, जो वर्तमान में बिलासपुर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मुख्य कोच हैं, इस बदलाव को करीब से देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ग्रासरूट से लेकर जूनियर और फिर सीनियर स्तर तक पूरी प्रणाली धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ी इससे काफी लाभान्वित हो रहे हैं। उनकी प्राकृतिक प्रतिभा को अब सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के जरिए निखारा जा रहा है।

लकड़ा का मानना है कि यह संरचित सहयोग एक सकारात्मक श्रृंखला बना रहा है। उन्होंने कहा, जब बच्चे यहां आकर सीखते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे दूसरों को प्रेरित करते हैं। इससे लगातार नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। जो क्षेत्र कभी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों और नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां अब खेल के माध्यम से एक शांत बदलाव देखने को मिल रहा है। हॉकी एक सेतु बनकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ रही है। खेल मंत्रालय का 'अस्मिता' कार्यक्रम अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों को जोड़कर उन्हें मुख्यधारा में ला रहा है।

1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन मनोहर टोपनो, जिन्होंने झारखंड और छत्तीसगढ़ की पुरुष टीमों को कोचिंग दी है, ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसी पहल के जमीनी प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मैं इस ग्रासरूट टूर्नामेंट के आयोजन के लिए साई का धन्यवाद करना चाहता हूं। हमारे समुदायों के लड़के और लड़कियां आगे बढ़ रहे हैं और खुद को नई पहचान दे रहे हैं। अगर हम ऐसे ही आगे बढ़ते रहे, तो एक दिन ये खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। टोपनो ने प्रतिभा के पीछे की एक अहम सच्चाई पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारे जनजातीय समुदायों में हॉकी स्वाभाविक रूप से खेली जाती है। अगर हम इन क्षेत्रों पर ध्यान दें, तो हमारे खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। एक और महत्वपूर्ण बदलाव खेल विज्ञान, फिजियोथेरेपी और वीडियो विश्लेषण जैसी सुविधाओं का पहुंचना है, जो पहले केवल शीर्ष स्तर तक सीमित थीं। अब दूरदराज के क्षेत्रों के खिलाड़ी भी पेशेवर प्रशिक्षण वातावरण का लाभ उठा रहे हैं। पारंपरिक स्वाभाविक खेल और आधुनिक कोचिंग का यह मेल प्रदर्शन के नए स्तर खोल रहा है।

झारखंड की पूर्व खिलाड़ी और हॉकी इंडिया की सदस्य असृता लकड़ा ने कहा, इन क्षेत्रों के बच्चों के खून में हॉकी बसती है, इसलिए वे स्वाभाविक रूप से इस खेल की ओर आकर्षित होते हैं। खेलो इंडिया जैसे प्लेटफॉर्म ने उन्हें दिशा दी है। उन्होंने आगे कहा, बेहतर सुविधाओं, प्रशिक्षण और एक्सपोजर के कारण अब खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। उनका मनोबल बढ़ा है और प्रदर्शन में स्पष्ट सुधार दिख रहा है। अब इसका प्रभाव केवल कहानियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नतीजों, प्रतिनिधित्व और बढ़ती महत्वाकांक्षा में साफदिखाई दे रहा है। जनजातीय खिलाड़ी अब सिर्फ भाग लेने वाले नहीं, बल्कि दावेदार, चैंपियन और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय सितारे बन रहे हैं।

रायपुर में ओडिशा का यह स्वर्णिम प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन का प्रतीक है—जहां गांव उत्कृष्टता के केंद्र बन रहे हैं और हॉकी एक पूरी पीढ़ी के सपनों को नई दिशा दे रही है। बस्तर के धूल भरे मैदानों से लेकर रायपुर के भरे स्टेडियम तक, इन खिलाड़ियों की यात्रा न केवल भारतीय हॉकी, बल्कि जनजातीय भारत के सामाजिक ताने-बाने को भी बदल रही है।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल

बोलीं- शूटिंग करने आई थीं, लेकिन शहर के आकर्षण में खो गई

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो सॉसी की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है।

मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी। मौनी ने कहा, शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।

गाना सॉसी गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम वॉकिंग ऑन वॉटर का हिस्सा है। डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है।

उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया।

वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। सॉसी ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

मालती चाहर ने बिकनी पहन बढ़ाया इंटरनेट का पारा इंटरनेट पर छाई तस्वीरें

बिग बॉस 19 फेम एक्ट्रेस मालती चाहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। उन्होंने बिकनी लुक में अपनी कुछ फोटोस शेयर की है, फैंस उनके इस अंदाज पर दिल हार बैठे हैं।

मालती चाहर ने हाल ही में इंस्ट्राग्राम पर अपनी हर से ज्यादा ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस पिंक कलर की बिकनी पहने नजर आ रहीं है। कुछ फोटोज में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट करती नजर आई। इस ग्लैमरस लुक में एक्ट्रेस ने कई कातिलाना पोज दिए हैं, जिसके फैंस दीवाने हो गए हैं मातली चाहर की ये तस्वीरें सामने आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं।

फैंस इन फोटोज पर भर भर कर कमेंट्स कर रहे हैं। बता दें मालती चाहर आए दिन इंस्ट्राग्राम पर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती है। हर एक फोटोज में उनका अलग ही अंदाज देखने को मिलता है। मालती चाहर ने बिग बॉस 19 से खूब सुर्खियां बटोरी।

वो शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में शामिल हुई थी। शो में वो अपने बेबाक अंदाज के लिए चर्चा में रहीं। फैंस ने उन्हें खूब पसंद किया।

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी का पोस्टर जारी छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में लगे दमदार

अपनी पहली निर्देशित फिल्म वेद की सफलता के बाद, रितेश देशमुख अपनी दूसरी निर्देशित फिल्म राजा शिवाजी की तैयारी में जुटे हैं। ये छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक ऐतिहासिक महाकाव्य है।

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने 'राजा शिवाजी' का पहला दमदार पोस्टर जारी किया है। फिल्म के निर्देशक और मुख्य अभिनेता रितेश विलासराव देशमुख ने सोशल मीडिया पर यह पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में महाराज का प्रभावशाली साइड प्रोफाइल दिखाई दे रहा है। हाथ में तलवार, मजबूत कंधे और अडिग नजरें। उनका गंभीर और दृढ़ चेहरा उस तूफान से पहले की शांति को दर्शाता है, जो स्वराज्य की स्थापना और राष्ट्र के गौरव की शुरुआत बना।

'राजा शिवाजी' एक भव्य पैन-इंडिया सिनेमाई प्रस्तुति है, जिसे वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति के गौरव के रूप में पेश किया जा रहा है। यह एक महत्वाकांक्षी द्विभाषी (मराठी और हिंदी) एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें संगीत दिया है प्रसिद्ध जोड़ी अजय-अतुल ने और सिनेमैटोग्राफी संभाली है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित संतोष सिवन ने। यह फिल्म अपने विशाल पैमाने और शानदार दृश्यात्मक अनुभव के लिए तैयार है।

यह फिल्म न केवल एक राजा की कहानी है, बल्कि एक ऐसे बेटे की यात्रा है जिसने एक संकल्प लिया और बड़ी शक्तियों के खिलाफ खड़े होकर स्वराज्य का मार्ग प्रशस्त किया। यह उस महान योद्धा की गाथा है जिसने झुकने के बजाय संघर्ष चुना और भारत के स्वाभिमान की नींव रखी। निर्माताओं का उद्देश्य है कि इस प्रेरणादायक भारतीय कहानी को भाषा की सीमाओं से आगे ले जाकर दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जाए और इसे एक वैश्विक सिनेमाई श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया जाए। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत फिल्म राजा शिवाजी को ज्योती देशपांडे और जेनेलिया डिसूज मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले बनी 'राजा शिवाजी' 1 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'रामायण' के लक्ष्मण के बारे में जानकर सरगुन मेहता हो गई थीं हैरान!

नहीं पता था कि पति ने किया यह रोल

सरगुन मेहता ने बताया है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनके पति रवि दुबे 'रामायण' की शूटिंग के लिए जाते थे। जब उन्हें इसके बारे में पता चला तो वह हैरान थीं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' का टीजर रिलीज हो गया है। जहां इस टीजर में राम पर ज्यादा फोकस किया गया है, वहीं लक्ष्मण (रवि दुबे) को भी दिखाया गया है, हालांकि वह थोड़े धुंधले नजर आ रहे हैं। इस बीच एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें रवि दुबे की पत्नी सरगुन मेहता ने बताया कि अभिनेता ने उन्हें इसकी शूटिंग के बारे में कभी कुछ नहीं बताया।

'रामायण' के बारे में सरगुन को नहीं था पता

पिछले साल रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में सरगुन मेहता ने बताया 'हम घर पर काम के बारे में ज्यादा बात नहीं करते। उन्हें तब तक पता नहीं चलता कि मैं क्या कर रही हूं, जब तक मेरे प्रोजेक्ट्स की घोषणा नहीं हो जाती। उसी तरह मुझे भी उनके काम के बारे में तब तक पता नहीं चलता, जब तक वह पब्लिक नहीं हो जाता। किसी ने अचानक मुझसे कहा, 'बधाई हो, रवि तो...' और मैंने कहा, 'चुप रहो। हमें एक-दूसरे को अपने काम को बताने की इजाजत नहीं है, इसलिए मुझे मत बताओ।' फिर मैंने कहीं इसके बारे में पढ़ा और सोचा, 'उन्होंने मुझे बताया भी नहीं, तो मैं उनसे पूछ भी नहीं सकती!''

सरगुन मेहता ने बताया कि रवि दुबे कभी भी काम की डिटेल्स शेयर नहीं करते थे। फिल्म सेट पर होने के बारे में बहुत गोलमोल बातें करते थे।

उन्होंने कहा, 'जब भी मैं रवि से पूछती थी कि वह कहां जा रहे हैं, तो वह बस इतना कहते थे, 'काम पर जा रहा हूं।' वह यह नहीं बताते थे कि किस फिल्म की शूटिंग करने जा रहै हैं। आखिरकार उन्हें पता चल गया कि रवि दुबे 'रामायण' की शूटिंग के लिए जाते थे। इस बात को जानकर वह हैरान थीं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

आपको बता दें कि 'रामायण' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर की झलकियां दिखी हैं। टीजर के आखिर में यश को रावण के रूप में दिखाया गया है। 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला हिस्सा 2026 में दिवाली पर रिलीज होगा। दूसरा हिस्सा दिवाली 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल, रवि दुबे और यश भी नजर आएंगे।

खीरा खाने का सही समय क्या है? इस वक्त खाने से मिलते हैं सबसे ज्यादा फायदे

गर्मियों में खीरा का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। डॉक्टर्स भी इसे अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन किसी भी चीज का फायदा तभी मिलता है जब उसका सेवन सही समय पर किया जाए। आपने देखा होगा कि कई लोग किसी भी समय खीरे का सेवन कर लेते हैं। लेकिन बेटाइम खाने से ये फायदे की जगह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में ये सवाल उठता है कि खीरा खाने का सही समय क्या है। किस वक्त खाने से सबसे ज्यादा फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं।

खीरा खाने के फायदे

पानी की कमी को करे दूर -
खीरे में लगभग 90 फीसदी पानी होता है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। अगर आप डिहाइड्रेशन की समस्या से बचना चाहते हैं तो खीरे को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

वजन घटाने में सहायक -
खीरा में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, ये भूख को कम करके वजन को नियंत्रित करने का काम करता है। अगर आप अपने बढ़े हुए वजन से परेशान हैं तो इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

रात में खीरा खाने से क्यों बचें?

अक्सर हेल्थ एक्सपर्ट्स रात के समय खीरा खाने से बचने की सलाह देते हैं। इसके मुख्य कारण हैं

पाचन में समस्या: खीरे में पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है और इसकी तासीर ठंडी होती है, जिससे रात में इसे पचाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। यह पेट में भारीपन, गैस या अपच का कारण बन सकता है।

नींद में दिक्कत: खीरा खाने से बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है, जो आपकी रात की नींद को खराब कर सकती है।

कफ दोष: आयुर्वेद के मुताबिक, जिन लोगों को सर्दी-खांसी या कफ की समस्या रहती है, उन्हें रात में खीरा खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह समस्या को बढ़ा सकता है।

खीरा खाने का सबसे सही समय

सुबह का समय -
सुबह खाली पेट या नाश्ते के साथ खीरा खाना सबसे ज्यादा लाभकारी माना जाता है। यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है, शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है।

दोपहर का समय -
लंच से पहले या साथ में खीरा खाना भी बेहतर होता है। यह शरीर को फ्रेशनेस देता है और वजन कंट्रोल करने में मदद करता है।

भोजन से पहले -
यदि आप वजन कम करना चाहते हैं, तो भोजन से आधा घंटा पहले खीरा खाना सबसे अच्छा है। इसमें मौजूद फाइबर और पानी से पेट जल्दी भर जाता है, जिससे आप मुख्य भोजन कम मात्रा में खाते हैं।

खास खबर

मार्कफेड की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में धान निराकरण एवं उठाव में तेजी के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आज नवा रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में जिला विपणन अधिकारियों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के विपणन अधिकारी उपस्थित रहे, जहां धान खरीदी, भंडारण एवं उठाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वर्ष 2024-25 के धान निराकरण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए प्राधिकृत अधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी ने शेष धान के शीघ्र निराकरण के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। प्राधिकृत अधिकारी मार्कफेड में संग्रहण केंद्रों से धान उठाव के लिए जारी टी.ओ. तथा वर्ष 2025-26 के लिए जारी डी.ओ. के विरुद्ध वास्तविक उठाव की जिलेवार प्रगति का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने 30 मार्च 2026 की स्थिति में उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध शेष धान की जानकारी लेते हुए उसके सुरक्षित संधारण एवं त्वरित उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके अलावा, जिलों में अनुपयोगी बारदानों के प्रबंधन तथा स्वयं के एवं किराए के गोदामों से संबंधित लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी गहन समीक्षा की गई। प्राधिकृत अधिकारी ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी एवं उठाव की प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है और सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करनी होगी।

केंद्र के उपक्रम एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड के साथ एमओयू

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देते हुए आमजन को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल की गई है। भारत सरकार के उपक्रम HLL Lifecare Limited के साथ एमओयू कर राज्य में अटल आरोग्य लैब के रूप मे संचालित करने का निर्णय लिया गया है। यह पहल स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में साकार हो रही है। प्रदेशवासियों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सदैव रहा है, और इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए यह पहल स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। योजना के अंतर्गत पहली लैब का शुभारंभ 14 अप्रैल 2026 को जिला जगदलपुर से किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत छत्तीसगढ़ इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राज्यभर में हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित एक मजबूत जांच नेटवर्क तैयार होगा। इसमें स्टेट रेफरल लैब, 4 संभागीय लैब, 33 जिला लैब, 12 सिविल अस्पताल लैब तथा 187 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर की लैब को जोड़ा जाएगा, जबकि 814 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैंपल कलेक्शन केंद्र के रूप में कार्य करेंगे।

जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय सह-अस्तित्व की एक अनूठी जीवन पद्धति है- राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रकृति उपासना और जनजातीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक सरहुल पूजा महोत्सव आज अम्बिकापुर के कला केन्द्र मैदान में श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं को नमन किया।

मंत्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन की शुरुआत माता भूमि: **पुत्रोऽहं पृथिव्या:** से करते हुए कहा कि जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय सह-अस्तित्व की एक अनूठी जीवन पद्धति है, जो हमें संतुलन, संरक्षण और कृतज्ञता का संदेश देती है। उन्होंने सरहुल पर्व को प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन अवसर बताते हुए चराचर जगत के कल्याण तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से है, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अम्बिकापुर की देवतुल्य जनता से प्राप्त अपार स्नेह और आशीष के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोगों का निस्वार्थ अपनापन उनके जीवन की अमूल्य संचित पूंजी है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान जनजातीय समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य और गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी, जिससे पूरा कला केन्द्र मैदान ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्यों की गूंज से सराबोर हो उठा। सरहुल महोत्सव, जो साल वृक्ष के फूलों के खिलने के साथ प्रकृति के नवजीवन का उत्सव है, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक अस्मिता का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया। कार्यक्रम का समापन जय जोहार के गूंजते उद्घोष के साथ हुआ, जिसने जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ किया।

बीजापुर के पालनार में स्वास्थ्य क्रांति, 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' से सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को मिल रही नई सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए संचालित 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गाँव) योजना अब धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही है। जिला बीजापुर के दुर्गम क्षेत्र ग्राम पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के खुलने से 28 जनवरी 2026 से अब तक सैकड़ों ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पालनार और आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य के प्रति आई

इस जागरूकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस अल्प अवधि में ही कुल 747 मरीजों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार 16 मरीजों को भर्ती कर उनका सफलतापूर्वक उपचार किया गया। पहले जिन ग्रामीणों को छोटी बीमारियों के लिए भी मीलों पैदल चलना पड़ता था, उन्हें अब विशेषज्ञ परामर्श और नि:शुल्क दवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं।

संवेदनशील क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस केंद्र में अब तक 5 सुरक्षित प्रसव कराए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप, नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु नवजातों के जन्म प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही, क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं और 18 धात्री माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित किया गया है।

योजना के तहत गैर-संचारी रोगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पालनार केंद्र में अब तक 250 ग्रामीणों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई, जिसमे 25 मरीज उच्च रक्तचाप से ग्रसित पाए गए। 12 मरीज मधुमेह से पीड़ित मिले। 1 ग्रामीण में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण मिलने पर तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र हेतु रेफर किया गया। पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सफलता यह दर्शाती है कि शासन की योजनाएं अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

मुख्यमंत्री से उत्तरप्रदेश के राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने सौजन्य मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री जलशक्ति विभाग रामकेश निषाद ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए निषाद का राज्य में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह और बस्तर पंडुम की पुस्तिका भेंट की।

मुख्यमंत्री साय को श्री निषाद ने छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के सफल आयोजन पर हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने श्री निषाद से छत्तीसगढ़ में खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

नक्सल मुक्त बीजापुर में स्वास्थ्य सेवाओं को नई उड़ान

9 संजीवनी एंबुलेंस से दूर-दराज़ तक पहुंचेगा इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नक्सल मुक्त होने के बाद बीजापुर जिले में विकास की रफ्तार अब हर क्षेत्र में तेज़ होती नजर आ रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने हेतु जिले को 9 नए संजीवनी एंबुलेंस वाहनों की सौगात मिली है, जो सुदूर और पहले से पहुंच से वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

राज्य कार्यालय से प्राप्त इन एंबुलेंसों को जिला अस्पताल बीजापुर के साथ-साथ पीएचसी पामेड़, कुटरू, आवापल्ली, फरसेगढ़ एवं सीएचसी भैरमगढ़, भोपालपटनम में तैनात किया गया है। नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी ने इन एंबुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कलेक्टर संबित मिश्रा ने इस पहल को नक्सल मुक्त बीजापुर के नए दौर की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब प्रशासन बिना किसी बाधा के दूरस्थ गांवों तक पहुंच बना पा रहा है। उन्होंने कहा कि ये एंबुलेंस सेवाएं ग्रामीणों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होंगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद जिन क्षेत्रों में पहले स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सीमित थी, वहां अब तेजी से सुधार हो रहा है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की सुविधा मिलने से जनजीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में मल्लखंभ का भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपने अद्भुत संतुलन, शक्ति एवं लचीलापन का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मल्लखंभ जो कि भारत की प्राचीन खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, को इस प्रतियोगिता में डेमो खेल के रूप में शामिल किया गया है। इसके माध्यम से पारंपरिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्राप्त हो रही है। मल्लखंभ प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बालक एवं बालिका वर्ग में टीम चौंपियनशिप (पोल एवं रोप मल्लखंभ), पिरामिड चौंपियनशिप तथा पुरुष एवं महिला वर्ग में पिरामिड, पोल एवं रोप मल्लखंभ, हैंगिंग मल्लखंभ शामिल हैं। टीम स्पर्धाओं में अधिकतम 6 खिलाड़ियों की भागीदारी निर्धारित की गई है।

गांधी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने पोल एवं रस्सी मल्लखंभ पर आकर्षक करतब प्रस्तुत किए। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। इस आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना को जिले में ऐतिहासिक सफलता

9078 आवेदन प्राप्त, 2033 घरों में सौर प्रणाली स्थापित, 1443 हितग्राहियों को सब्सिडी भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सभी जेलों में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसी तारतम्य में राजनांदगांव जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से यह योजना ग्रामीण स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचकर स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2025 से योजना को तीव्र गति मिली। सतत मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यों के कारण यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

जिले में अब तक कुल 9078 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4405 लाभार्थियों ने वेंडर का चयन कर लिया है, जबकि 2033 घरों में सौर प्रणाली की स्थापना पूर्ण हो चुकी है। साथ ही 1443 हितग्राहियों को सब्सिडी का भुगतान किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 25 से 30 आवेदन प्राप्त हो रहे हैं तथा लगभग 20 इंस्टॉलेशन किए जा रहे हैं। पिछले माह में 664 नए आवेदन प्राप्त हुए और 449 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए, जो बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है।

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर द्वारा वेंडर्स, बैंक अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। इसके साथ ही शहरी निकायों, जनप्रतिनिधियों, चेंबर ऑफ कॉमर्स, बिल्डर्स एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर पूरी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए।

जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक स्तर पर सूर्य सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गई और मौके पर ही पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके परिणामस्वरूप हजारों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में आवेदन प्रस्तुत किए।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योजना में सक्रिय भागीदारी करने वाले लाभार्थियों को कलेक्टर द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल से अन्य नागरिकों में भी योजना के प्रति रुचि और उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वाकांक्षी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने घरों को स्वच्छ, सस्ती एवं निरंतर ऊर्जा स्रोत से सशक्त बनाएं। आने वाले समय में लक्ष्य है कि अधिक से अधिक परिवार इस योजना से जुड़ें और राजनांदगांव जिला हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी जिले के रूप में स्थापित हो।

धमतरी में हाईटेक खेती की ओर कदम ड्रोन तकनीक से किसानों को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में 'सहकारिता से समृद्धि' के उद्देश्य को धरातल पर उतारते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी कड़ी में सहकारी समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर से जोड़कर किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों की पहुंच सुनिश्चित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

इसी कड़ी में आज कलेक्टर मिश्रा की मौजूदगी में आज ड्रोन तकनीक का सफल डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया गया, जिसमें खेती में ड्रोन के उपयोग की बारीकियों को विस्तार से समझाया गया। ड्रोन के जरिए कीटनाशक और उर्वरकों के छिड़काव की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष दिखाया गया, जिससे कम समय में अधिक क्षेत्र में सटीक और किफायती कार्य संभव है। इस दौरान कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों और संबंधित टीम से तकनीक के व्यवहारिक उपयोग की जानकारी ली और इसे व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में सीएससी के माध्यम से हर समिति को तकनीकी रूप से सशक्त किया जाएगा, ताकि किसानों को आधुनिक संसाधनों का सीधा लाभ मिल सके। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि नई तकनीकों को अपनाना समय की मांग है। हमारा प्रयास है कि धमतरी का हर किसान आधुनिक कृषि से जुड़े और समृद्ध बने। इस अवसर पर डीआरसीएस, नोडल सीसीबी, सीएससी डीएम विनय गिरि तथा ड्रोन तकनीकी टीम के सदस्य वी जी8ले के किसान उपस्थित थे।

खास खबर

हिरण के बाद अब जंगली सूअर का हुआ शिकार, पांच आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बेलगहना क्षेत्र के ग्राम कुरदर में 5 दिन पहले हिरण का शिकार कर मांस पकाने के बाद अब टेंगनमाड़ा परिक्षेत्र के ग्राम अट्टा में जंगली सूअर का शिकार करने का मामला सामने आया है। इस मामले में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी को गुरुवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल भेज दिया गया। वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम अट्टा में एक नर जंगली सूअर का शिकार कर उसका मांस पकाया जा रहा है। सूचना मिलते ही टेंगनमाड़ा की टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पका हुआ मांस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने शिकार करना स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में रूपलाल (29), नितिन (19), संदीप (20), गोविंद (54) और रामकुमार (51) शामिल हैं। इस मामले में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है।

ट्रैक्टर खरीदने का झांसा देकर ढाई लाख की ठगी मामला दर्ज

जगदलपुर। ट्रैक्टर खरीदी के नाम पर 2.5 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में नारायणपुर पुलिस ने बिहार के पटना में रहने वाले एक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में लिखा गया है कि नारायणपुर जिले के दुग्गाबेंगाल की रहने वाली शांति कुमेटी से बिहार के पटना में रहने वाले आरोपी चंदन चौधरी ने 2.5 लाख रुपए की ठगी की है। शांति ने जो एफआईआर दर्ज कराई है उसके पति सुखदेव कुमेटी मिस्त्री का काम करते हैं, जिनका परिचय चंदन चौधरी से था, आरोपी ने अपने को नारायणपुर का नेता बताया। साल 2025 में दीपावली त्योहार के एक सप्ताह पहले उनके घर आया और ट्रैक्टर खरीदने के नाम पर 2.5 ढाई लाख रुपए लिया और वह अपने साथ सुखदेव को भी रायपुर ले गया। लेकिन ट्रैक्टर की खरीदी नहीं की। वहीं कुछ दिन बाद झूठ बोलकर 13 हजार रुपए ट्रैक्टर में डीजल भरवाने भी ले लिया। इस बीच आरोपी ने पारिवारिक परिचय का फायदा उठाते हुए पीड़ित की 20 वर्षीय लड़की को प्रेम प्रंसग के जाल में फंसाकर अपने साथ रायपुर और फिर वहां से बिहार ले गया है।

रायगढ़ में प्रशासन ने रुकवाया बाल विवाह

आज निकलनी थी बारात, जांच में दूल्हा निकला नाबालिग, 8 दिनों में दूसरी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में नाबालिग लड़के की शादी कराई जा रही थी। शुक्रवार को बारात निकलनी थी, लेकिन उससे पहले प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गांव पहुंच गई। दस्तावेजों की जांच में दूल्हा नाबालिग पाया गया। इसके बाद संयुक्त टीम ने बाल विवाह रुकवा दिया। परिजनों ने बालिग होने तक शादी टालने का संकल्प लिया।

यह करीब 8 दिनों में बाल विवाह रोकने की दूसरी कार्रवाई है। दरअसल प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना मिली थी कि रायगढ़ विकासखंड के एक गांव में नाबालिग बालक के विवाह की तैयारी चल रही है। बालक की आयु शादी के लिए निर्धारित 21 साल से कम होने के बावजूद 3 अप्रैल शक्रवार को बारात ले जाने की तैयारी की जा रही थी।

सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला-बाल विकास विभाग के नेतृत्व में पुलिस विभाग के सहयोग से संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम गुरुवार को गांव पहुंची और बालक की जन्मतिथि से जुड़े शैक्षणिक और अन्य दस्तावेजों की जांच की।

जांच के दौरान पाया गया कि बालक की वर्तमान आयु 20 साल 5 माह है, जो कि विवाह के लिए निर्धारित कानूनी आयु (21) से कम है। मौके पर बालक के परिजनों को बाल विवाह के कानूनी दुष्परिणामों और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में विस्तार से समझाइश दी गई।

बाल विवाह से संबंधित जानकारी दी गई

इसी दौरान बालिका पक्ष और उनके परिजन भी वहां पहुंचे, उन्हें भी कानून की जानकारी देते हुए समझाइश दी गई। इसके बाद दोनों पक्षों ने अपनी गलती स्वीकार की और सहमति जताई कि जब तक बालक की आयु 21 साल पूरी नहीं हो जाती, तब तक वे शादी नहीं करेंगे।

राजीनामा पत्र भी भरवाया गया

मौके पर ही परिजनों से औपचारिक घोषणा पत्र और राजीनामा पत्र भरवाया गया। इस कार्रवाई में ग्राम के सरपंच समेत जिला बाल संरक्षण अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पुलिसकर्मी, संरक्षण अधिकारी, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल थे।

8 दिनों में दूसरी कार्रवाई की गई

पिछले गुरुवार को सूचना मिली थी कि शहरी क्षेत्र में 16 वर्षीय लड़की का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने सामुदायिक भवन पर दबिश दी।

मौके पर शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। टीम ने परिजनों से लड़की की आयु से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि लड़की की आयु केवल 16 साल 5 माह 13 दिन है, जो विवाह के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम है।

टीम ने तुरंत विवाह रुकवा दिया और स्पष्ट किया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। इस तरह, 8 दिनों के भीतर बाल विवाह रोकने की यह दूसरी कार्रवाई है।

प्रशासन ने की लोगों से अपील

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ कानूनी अपराध भी है। यदि कहीं भी इस प्रकार की गतिविधि की जानकारी मिले, तो तत्काल संबंधित विभाग या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

22 किलो गांजे के साथ 7 अरेस्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर में गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इंटरस्टेट गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ओडिशा से गांजा लाकर मध्यप्रदेश ले जाने की फिराक में घूम रहे 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 2 महिलाएं और एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 22.450 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 11.22 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपियों का नाम ओडिशा निवासी शांतनु मलिक, रोमियो मलिक, जुलियत मलिक, राहुल मलिक रश्मिता दीगल, दीपा दीगल बताया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस को 2 अप्रैल को

सूचना मिली थी कि गंज थाना क्षेत्र के तेलघानी नाका के पास कुछ लोग बैग में गांजा लेकर खड़े हैं और कहीं जाने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर 4 पुरुष, 2 महिला और एक नाबालिग को पकड़ा

तलाशी के दौरान सभी के बैग से गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ओडिशा और मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं और ओडिशा से गांजा लाकर मध्यप्रदेश में खपाने की योजना बना रहे थे।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ गंज थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जब्त गांजे की कुल मात्रा 22.450 किलो है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस तस्करी नेटवर्क के आगे और पीछे जुड़े लोगों की जानकारी मिल सके।

अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। क्राइम और साइबर पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला के अनुसार नशे का कारोबार करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑटो से महिला का जेवरों से भरा बैग पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में चलती ऑटो से महिला का जेवरों से भरा बैग पार कर दिया गया। इस दौरान ऑटो में और भी महिला सवारी थीं। महिला को इस घटना की जानकारी तब हुई, जब घर पहुंचकर सामान व्यवस्थित करने लगी। बैग से करीब 4 तोला सोने के गहने गायब मिले। इस मामले की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार उसलापुर के वैष्णवी विहार निवासी सुषमा पाण्डेय 30 मार्च को अपनी बड़ी बेटी के घर शादी समारोह में शामिल होने के लिए जेवर लेकर गई थी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद 31 मार्च की सुबह करीब 9 बजे वे लाफार्ज से स्कूल बस के जरिए गुरुनानक चौक पहुंचीं। यहां से उन्होंने ई-रिक्शा लेकर नेहरू चौक का सफर तय किया। इसके बाद एक ऑटो में सवार हुईं। उस समय ऑटो में पहले से तीन अन्य महिलाएं भी बैठी थीं।

सफर के दौरान हुई चोरी घर पहुंची तब पता चला

महिला ने बताया कि, उसलापुर ओवरब्रिज पार करने के बाद वह ऑटो से उतर गईं और करीब 11 बजे घर पहुंचीं। जब उन्होंने अपने बैग में रखे जेवर को अलमारी में रखने के लिए निकाला, तो देखा कि साड़ी के नीचे डिब्बे में रखा सोने का हार और एक जोड़ी ईयररिंग गायब थी। चोरी गए जेवर का वजन करीब 4 तोला बताया जा रहा है।

साथ बैठी महिलाओं पर शक

पीड़ित महिला को संदेह है कि ऑटो में साथ बैठी अज्ञात महिलाओं ने ही मौका पाकर जेवर पार कर दिए। उन्होंने अपने स्तर पर ऑटो चालक के माध्यम से जानकारी जुटाने की कोशिश की, लेकिन संदिग्ध महिलाओं का कोई सुराग नहीं मिल पाया। मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑपरेशन 'कालचक्र' 100 से ज्यादा वारंट पुलिस ने किया तामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में असामाजिक तत्वों और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन कालचक्र' चलाया। इस अभियान में नॉर्थ और वेस्ट जोन पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में वारंटियों की धरपकड़, बदमाशों की परेड और विभिन्न धाराओं में सख्त कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराधों पर नियंत्रण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। इस दौरान अलग-अलग थानों की टीमों का गठन कर संवेदनशील इलाकों में औचक रेड की गई।

वारंटियों पर बड़ी कार्रवाई

पश्चिम जोन पुलिस ने दो दिन की कड़ी कार्रवाई में 45 वारंट पूरे किए, जिसमें 18 स्थायी और 27 गिरफ्तारी वाले थे। वहीं, नॉर्थ जोन में लंबे समय से फरार चल रहे 14 स्थायी, 41 गिरफ्तारी और 37 जमानती वारंट भी पूरे किए गए। पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया गया।

60 बदमाशों की परेड, सख्त हिदायत

अभियान के दौरान चाकूबाजों, निगरानी बदमाशों, गुंडा तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर कुल 60 लोगों को थाने में बुलाकर उनकी परेड कराई गई। पुलिस ने सभी को सख्त चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन के तहत 3 आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं, 1 आरोपी को अवैध रूप से देशी शराब रखने पर आबकारी एक्ट के तहत पकड़ा गया। इसके अलावा 20 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई।

फरार मामलों का भी हुआ निपटारा

अभियान के दौरान ऐसे 14 मामले भी निपटाए गए, जिनमें आरोपी लंबे समय से फरार थे। इससे पुलिस को लंबित मामलों को सुलझाने में भी पुलिस को सफलता मिली है।

अधिकारियों की निगरानी में चला अभियान

यह अभियान पुलिस उपायुक्त पश्चिम जोन संदीप कुमार पटेल और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के पर्यवेक्षण में चला। वहीं, नॉर्थ जोन में पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम और अन्य अधिकारियों ने कार्रवाई का नेतृत्व किया। पुलिस का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि अपराधियों में कानून का भय बना रहे और आम जनता सुरक्षित महसूस कर सके।

रिहायशी इलाके में फंसा ओवरलोड ट्रक, हादसा टला

बिलासपुर। राजकिशोर नगर स्थित बजरंग चौक के पास गुरुवार को एक ओवरलोड ट्रक सड़क में फंस गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ट्रक फंसने से यातायात कुछ देर के लिए बाधित रहा।

गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जहां ट्रक फंसा, वहां पास में ही बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। ऐसे में जरा सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती थी। रहवासियों ने बताया कि इस मार्ग से आए दिन भारी वाहन गुजरते हैं, जबकि यह पूरी तरह रिहायशी इलाका है।

लोगों का कहना है कि ओवरलोड ट्रकों के लगातार आवागमन से सड़क भी कमजोर हो गई है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं।

कई बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार विभाग ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए।

स्कॉर्पियो-ट्रेलर की भिड़ंत में 1 की मौत: दो घायलों को गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में गुरुवार रात उरगा थाना क्षेत्र के तरदा भारतमाला मार्ग पर एक स्कॉर्पियो और ट्रेलर में भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

टक्कर के बाद वाहन में फंसे लोगों को गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया है। उरगा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

निजी कंपनी में काम करते हैं घायल

जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो में तीन लोग सवार थे, जो रायपुर की एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। मृतक की पहचान 27 वर्षीय अरुण कुमार यादव के रूप में हुई है, जो झारखंड के गढ़वा जिले के सुनई गांव के निवासी था।

घायलों में 26 वर्षीय चंद्र प्रकाश यादव (रायपुर निवासी) और 30 वर्षीय नागेंद्र साहू (सेमरा, धमतरी निवासी) शामिल हैं। दोनों को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें रायपुर रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि ये तीनों रायपुर की निजी कंपनी के काम से दो डंपर को रायपुर से कोरबा शिफ्ट करने जा रहे थे। यह हादसा रायपुर से कोरबा आते समय तरदा के पास हुआ। अरुण पिछले दो साल से इसी कंपनी में काम कर रहा था।

हादसे की सूचना मिलते ही अरुण के परिजन देर रात झारखंड से कोरबा के लिए रवाना हो गए हैं। उरगा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया।

स्वास्थ्य सचिव के स्टाफ का सदस्य बनकर अस्पतालों से वसूली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में अस्पताल संचालकों को फर्जी तरीके से डराकर पैसों की डिमांड की गई है। मोहन नगर थाना क्षेत्र के आर्य नगर स्थित गंगोत्री अस्पताल के संचालक डॉ. ओम प्रकाश कराड़े ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. ओम प्रकाश कराड़े ने मोहन नगर थाने में दिए लिखित आवेदन में बताया कि 17 मार्च 2026 को उन्हें एक कॉल आया था। कॉल करने वाले ने अपना नाम अजय अग्रवाल बताया और खुद को रायपुर स्थित स्वास्थ्य-परिवार कल्याण विभाग के सचिव के पर्सनल स्टाफ में पदस्थ अधिकारी बताया। उसने अस्पताल में कथित अनियमितताओं का हवाला देकर मामले को खत्म कराने के नाम पर मानसिक दबाव बनाया और पैसों की मांग की।

मंत्रालय बुलाया, गेट के बाहर करवाया इंतजार

शिकायत में बताया गया है कि कॉल करने वाले ने उन्हें मंत्रालय बुलाया, जब डॉ. कराड़े मंत्रालय पहुंचे तो उन्हें अंदर जाने के लिए पास नहीं दिया गया और गेट के बाहर ही इंतजार कराया गया। बाद में वही व्यक्ति नीचे आकर उनसे मिला और अस्पताल में कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए रकम देने के लिए दबाव बनाने लगा।

उसने धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर अस्पताल के खिलाफ जांच कराई जाएगी और मामला उजागर कर दिया जाएगा।

मंत्रालय में पता करने पर कोई नहीं मिला नाम

डॉ. कराड़े को संदेह होने पर उन्होंने स्वास्थ्य सचिव कार्यालय में जानकारी ली। जांच में पता चला कि अजय अग्रवाल नाम का कोई भी व्यक्ति वहां कार्यरत नहीं है। इसके बाद उन्होंने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अन्य अस्पतालों को भी कर चुका है टारगेट

भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि आरोपी अस्पताल संचालकों को निशाना बना रहा है। चरौदा स्थित एएम हॉस्पिटल के संचालक को भी इसी तरह मंत्रालय बुलाकर डराया गया और पैसों की मांग की गई। इस मामले में भिलाई-3 थाने में भी एफआईआर दर्ज की गई है।

अब तक दुर्ग जिले में ऐसे दो मामले सामने आ चुके हैं। सीएसपी ने बताया कि आरोपी की पहचान और लोकेशन पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मोबाइल नंबर और अन्य तकनीकी जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

7 साल बाद एप की मदद से पकड़ा गया बाइक चोर

बिलासपुर। बिलासपुर सरकंडा पुलिस ने सशक्त एप की मदद से 2019 में बंधु कॉम्प्लेक्स के सामने चोरी हुई बाइक (सीजी 10 एबी 5639) बरामद की है। जांच के दौरान रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस को तिफरा निवासी रोशन शर्मा तक जानकारी मिली। आरोपी रोशन शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस का कहना है कि तकनीक का इस्तेमाल कर पुराने मामले को सुलझाना अब आसान हो गया है। इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं में तेजी से जांच और परिणाम मिलने की संभावना बढ़ी है।

प्रमुख खबरें

आदिम जाति विकास विभाग के योजनाओं एवं नवीन व्यय प्रस्तावों की समीक्षा हेतु बैठक 6 अप्रैल को

रायपुर। आदिम जाति विकास विभाग की प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा 06 अप्रैल को सुबह 11 बजे से नया रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बैठक लेंगी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के मुख्य बजट में शामिल विभागीय योजनाओं, अपरीक्षित नवीन व्यय मद प्रस्तावों तथा विभिन्न विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा क्रय की गई सामग्रियों के मानकीकरण, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की जिला-वार स्थिति, आवंटित एवं व्यय राशि का विवरण तथा शेष भुगतान की स्थिति का भी परीक्षण किया जाएगा। आदिवासी संग्रहालय एवं शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय से प्राप्त आय एवं व्यय की जानकारी भी बैठक में प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में विभागीय भवन निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति तथा उनकी प्रशासकीय स्वीकृतियों की स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित नवीन व्यय मदों, विशेष रूप से राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा लिए गए ऋणों के भुगतान से संबंधित योजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

चालू रबी सीजन में 18.60 लाख हेक्टेयर में विभिन्न फसलों की बोनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 18.60 लाख हेक्टयर क्षेत्रों में चना, गेहू, मटर, अलसी, सरसों, मक्का, रागी सहित विभिन्न रबी फसलों की बोनी हो चुकी है, जो कुल बोनी का 97 प्रतिशत है। खरीफसीजन की तरह रबी सीजन के लिए भी राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए अल्पकालीन कृषि ऋण का भी प्रावधान किया गया है। अब तक किसानों को रबी फसल के लिए लगभग 1026 करोड़ रूपए की ऋण राशि प्रदाय किया जा चुका है। रबी फसल के लिए इस वर्ष एक लाख 29 हजार 717 क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध अब तक एक लाख 18 हजार 592 क्विंटल बीज का भण्डारण कर एक लाख 11 हजार 827 क्विंटल बीज वितरित किया गया है, जो भण्डारण का 94 प्रतिशत है। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 12.11 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण कर 4.63 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया गया है।

विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस पर विशेष पहलः कोपलवाणी स्कूल के बच्चे पहुंचे लोकभवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आज विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस के अवसर पर कोपलवाणी स्कूल के स्पीच थेरेपी सेंटर के बच्चे अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ लोक भवन पहुंचे और राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट की।

यह अवसर न केवल बच्चों के लिए विशेष रहा, बल्कि समाज में ऑटिज़्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राज्यपाल ने बच्चे और उनके अभिभावकों तथा विशेष बच्चों के लिए समर्पित शिक्षकों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने ऑटिज़्म को नज़दीक से समझने का अवसर प्राप्त किया तथा विशेष बच्चों की क्षमताओं और चुनौतियों को संवेदनशीलता के साथ जाना। कार्यक्रम के दौरान श्री डेका बच्चों के साथ अत्यंत आत्मीयता से मिले और उनके साथ समय बिताया। सभी ने मिलकर नीले रंग के गुब्बारे आकाश में छोड़कर यह संदेश दिया कि समाज में हर बच्चे को समान अवसर, समझ और स्वीकार्यता मिलनी चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कोपलवाणी संस्था के बच्चों के आवागमन की सुविधा के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किए और उन्होंने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोपलवाणी की डायरेक्टर श्रीमती पद्मा शर्मा ने बताया कि यह पहला अवसर है जब विशेष बच्चे लोकभवन पहुँचे हैं। अभिभावकों ने भी इसे गर्व का विषय बताया कि उनके बच्चे आज राज्यपाल से भेंट कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सही मार्गदर्शन, विशेष शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के संवेदनशील लोगों के सहयोग से ये बच्चे निश्चित ही जीवन में उत्कृष्ट मुकाम प्राप्त करेंगे।

अनन्य रामभक्त श्री हनुमान जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक- मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के स्टेशन चौक स्थित नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में आयोजित श्री हनुमान उत्सव एवं श्री राम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त श्री हनुमान का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। बल, बुद्धि और विद्या के दाता हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि हमारे जीवन में निष्ठा, सेवा और समर्पण कैसा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री ने पवित्र श्री नर्मदा कुंड के जीर्णोद्धार का भूमिपूजन किया। श्री राम कथा के दौरान श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर राम नाम से गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री ने श्री नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर में विधि-विधान से श्री हनुमान का दर्शन और आरती पूजन किया। उन्होंने श्री हनुमान जी से छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 01 से 05 अप्रैल तक नर्मदा कुंड मंदिर में स्वामी श्री राजीव लोचन दास जी द्वारा श्री राम कथा का भी आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय को कहा छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्री राम ने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। रामायण काल में वर्णित दंडकारण्य अबूझमाड़ क्षेत्र का इलाका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अभी तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं। 5 हजार से अधिक बुजुर्ग विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रा के लिए 19 जगहों को चिन्हांकित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभी हमने धर्मांतरण रोकने छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंर्त्य कानून लागू किया है। इस कानून के अंतर्गत देश के सभी प्रदेशों से कठोर नियम बनाए गए हैं।

इन कड़े प्रावधानों से निश्चित ही धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। गौ माता के भी संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार द्वारा सुरभि गौधाम योजना लागू की गई है। इसके तहत 29 गौधाम का शुभारंभ किया गया है। सुरभि गौधाम में गौमाता के लिए चारे और अन्य व्यवस्था के साथ ही गौपालकों को गोबर के विभिन्न उत्पाद के निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में 10 सुरभि गौधाम के साथ प्रदेश में 330 गौधाम का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में रुद्र सेना और रुद्र शक्ति के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा,विधायक किरण सिंहदेव और पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, नर्मदा कुंड राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास जी, राम गर्ग, श्रीमती विभा अवस्थी सहित गणमान्यजन और भक्तगण उपस्थित थे।

धमतरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण : राज्यपाल से की आत्मीय मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय लोकभवन की कार्यप्रणाली से अवगत कराने और यहां की कार्यालयीन गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज डी.पी.एस. स्कूल के विद्यार्थियों ने आज लोकभवन का भ्रमण किया और राज्यपाल रमेन डेका से आत्मीय मुलाकात की। श्री डेका ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान किए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सुंदर होता है। इसका सदुपयोग करें तभी सफलता मिलेगी। जीवन के सभी निर्णयों को सोच-समझकर ठंडे दिमाग से लेना चाहिए। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हर विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बन सकता बल्कि अनेक क्षेत्र हैं जहां अपना कैरियर बना सकते है।

डी.पी.एस. स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 51 छात्र और 25 छात्राओं की टोली ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ लोकभवन का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक व कार्यालयीन महत्ता को जाना और समझा। उन्हें लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

भ्रमण एवं अवलोकन के बाद विद्यार्थियों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें नया अनुभव हो रहा है। पहली बार वे राज्यपाल से मिले हैं साथ ही यहां की संरचना, हरियाली देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई है।

खेल के संग संस्कृति का संगमः छत्तीसगढ़ ने जीता खिलाड़ियों का दिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत छत्तीसगढ़ पहुंचे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के लिए राज्य सरकार एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा खेल के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज अरुणाचल प्रदेश के फुटबॉल खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों सिरपुर, बारनवापारा एवं नया रायपुर स्थित जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजातीय संस्कृति को करीब से जाना।

खिलाड़ियों का यह सांस्कृतिक भ्रमण सिरपुर से शुरू हुआ, जहां उन्होंने प्राचीन लक्ष्मण मंदिर और बौद्ध स्मारकों के दर्शन किए। उन्हें सिरपुर के गौरवशाली इतिहास, पुरातात्विक महत्व और सांस्कृतिक समृद्धि से अवगत कराया गया। इसके बाद खिलाड़ियों का दल बारनवापारा अभयारण्य पहुंचा, जहां प्राकृतिक वातावरण के बीच उन्हें बैंबू राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव कराया गया। हरेली इको रिसॉर्ट, मोहदा बारनवापारा में खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा, जिसने उन्हें स्थानीय स्वाद और आतिथ्य से रूबरू कराया।

यात्रा के अगले चरण में खिलाड़ियों को नया रायपुर स्थित जनजातीय ट्राइबल म्यूजियम ले जाया गया, जहां उन्होंने छत्तीसगढ़ के जनजातीय वीरों की गाथाओं, पारंपरिक जीवनशैली, कला, वेशभूषा और सांस्कृतिक विरासत को विस्तार से जाना। संग्रहालय के समृद्ध प्रदर्शन और जीवंत प्रस्तुतियों ने खिलाड़ियों को प्रदेश की विविधता और सांस्कृतिक गहराई से परिचित कराया।

खिलाड़ियों ने इस विशेष पहल के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन मंडल की सराहना करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ इस प्रकार का सांस्कृतिक जुड़ाव उन्हें भारत की विविधता को समझने का अवसर प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की यह पहल न केवल खिलाड़ियों को राज्य की पहचान से जोड़ रही है।

बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पर्धाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की पावन धरा जगदलपुर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए।

दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पर्धाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। महिला वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा में कर्नाटक की ऋतुश्री ने 25.87 सेकंड की रफ्तार से स्वर्ण पदक अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया। मध्यम दूरी की 1500 मीटर दौड़ में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ महिला वर्ग में कर्नाटक की नागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पुरुष वर्ग में झारखंड के राहुल उरांव ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उल्लेखनीय है कि मेजबान छत्तीसगढ़ के मनीष कुमार ने घरेलू मैदान पर दर्शकों के भारी समर्थन के बीच तीसरा स्थान हासिल कर राज्य की झोली में कांस्य पदक डाला। शक्ति और तकनीक के संगम वाली भाला फेंक (जैवलीन थ्रो) स्पर्धा में मध्य प्रदेश के गुलाब सिंह ने 62.80 मीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के प्रमोद हागजेर मात्र कुछ ही फासले से पीछे रहकर रजत पदक के हकदार बने। टीम वर्क और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए महिला 4×400 मीटर रिले दौड़ में झारखंड की आशा किरण बारला और तनीषा कुमारी की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं पुरुषों की इसी स्पर्धा में ओडिशा की टीम ने चौंपियन बनकर अपनी धाक जमाई। मेजबान छत्तीसगढ़ की पुरुष रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

एथलेटिक्स मुकाबलों के इस अंतिम दिन की अंतिम रोमांचक स्पर्धाओं में महिला लंबी कूद शामिल रही, जहाँ झारखंड की प्रीति लकड़ा ने 5.54 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित यह महाकुंभ न केवल पदक तालिका में उलटफेर कर रहा है, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त राष्ट्रीय मंच प्रदान कर बस्तर के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है।

जगदलपुर में जनजातीय खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर के हृदय स्थल जगदलपुर स्थित धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित प्रथम श्खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्सश् की एथलेटिक्स स्पर्धाओं का गुरुवार को भव्य समापन हो गया। 30 मार्च से शुरू हुए इस चार दिवसीय खेल महाकुंभ ने देशभर की जनजातीय प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान किया, जहाँ एथलीटों ने अपने अदम्य साहस और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन जैसे ही अंतिम दौर के मुकाबले समाप्त हुए, पदक तालिका की तस्वीर साफ हो गई। इस रोमांचक खेल आयोजन में ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों ने अपनी खेल परंपरा और श्रेष्ठता को बरकरार रखते हुए शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया।

पदक तालिका के आंकड़ों पर गौर करें तो ओडिशा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। ओडिशा को झारखंड से कड़ी टक्कर मिली, जिसने भी 8 स्वर्ण पदक अपने नाम किए, लेकिन अन्य पदकों के समीकरण के आधार पर वह दूसरे स्थान पर रहा।

वहीं, कर्नाटक की टीम 5 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। मेजबान छत्तीसगढ़ के एथलीटों ने भी घरेलू मैदान पर दर्शकों के भारी उत्साह के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और 1 स्वर्ण, 4 रजत व 1 कांस्य पदक जीतने में सफलता प्राप्त की।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स प्रतियोगिता के समापन सत्र के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य रूप से वन मंत्री केदार कश्यप, जिला पंचायत में खेल एवं युवा समिति के सभापति बनवासी मौर्य, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने कार्यक्रम में शिरकत की। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस आयोजन ने न केवल जनजातीय युवाओं के खेल कौशल को निखारा है, बल्कि बस्तर की धरती पर खेल संस्कृति को एक नई दिशा भी प्रदान की है।

स्वदेशी मेले के समापन में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल हुए शामिल, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पीजी कॉलेज कवर्धा में आयोजित स्वदेशी मेले का समापन समारोह उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना केवल आर्थिक मजबूती का माध्यम नहीं, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को मजबूत बनाने के लिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद एवं स्थानीय उद्यमों की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में और बेहतर प्रयासों के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्थानीय कारीगरों, स्व-सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। स्वदेशी मेले के माध्यम से लोगों को अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिला।

यह आयोजन न केवल स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार का माध्यम बना, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्वदेशी जागरण मंच के सभी सदस्यों एवं आयोजकों को मंत्री श्री अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950